कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | बुधवार 08 मई 2024 | वर्ष-07 | अंक-1021 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट अब बीजेपी कोड ऑफ कंडक्ट बन गया है- ममता बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर निशाना साधा. ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे खबर मिली है कि उत्तर प्रदेश में संख्यालघुओं को वोट देने नहीं दिया जा रहा, लेकिन चुनाव आयोग कुछ नहीं करेगा, क्योंकि मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट अब बीजेपी कोड ऑफ कंडक्ट बन गया है. सीएम ने आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए कहा कि पांच लोगों को वोट देने नहीं दोगे तो उसके बदले 5 लाख लोग तुम्हारे ख़िलाफ वोट देंगे.

ममता बनर्जी ने एक दिन पहले बीरभूम संसदीय सीट से तृणमूल कांग्रेस के मौजूदा सांसद और उम्मीदवार शताब्दी रॉय के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि उसके पास राष्ट्रीय स्तर के दो शीर्ष नेता हैं, जो 'पूरे देश को लूट रहे हैं, लेकिन अपने पापों को छुपाने के लिए बंगाल को बदनाम कर रहे हैं.' बीरभूम जिले के साईंथिया में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा भाजपा झूठ फैलाकर चुनाव जीतने का खाका तैयार कर रही है. क्या आप दंगों की साजिश रचने वाले प्रधानमंत्री को वोट करेंगे?

भाजपा पर संदेशखालि को लेकर झूठा विमर्श गढ़ने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा, "आपने (भाजपा ने) बंगाल की करोड़ों माताओं-बहनों का अपमान किया है. आपने उन्हें आरोप लगाने के लिए पैसे दिए. आपको ऐसे कृत्य पर शर्म आनी चाहिए. भाजपा नहीं जानती कि एक महिला के लिए पैसा महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि स्वाभिमान अहम है. बनर्जी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार प्रिंट और डिजिटल मीडिया में विज्ञापन देने पर करोड़ रुपये खर्च कर रही है, लेकिन बंगाल के गरीब लोगों का पैसा उसने रोक लिया है.

मुख्यमंत्री ने कहा बंगाल का केंद्र पर 1.74 लाख करोड़ रुपये बकाया है जो उसने नहीं चुकाया है, लेकिन मोदी गरीबों को मुफ्त राशन देने की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन वह हमें एक पैसा भी नहीं दे रहे हैं. टीएमसी ने गरीबों को मुफ्त राशन देने के लिए 32, 000 करोड़ रुपये खर्च किए लेकिन मोदी केवल श्रेय लेने में विश्वास करते हैं. बनर्जी ने दावा किया कि अन्य राज्यों से तालुक रखने वाले पश्चिम बंगाल के आईपीएस अधिकारियों पर उन राज्यों की भाजपा सरकारें पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए दबाव डाल रही हैं, लेकिन वे इस तरह की धमकी के आगे नहीं झुकेंगे.

नौकरी चोरों को एक भी वोट नहीं का नारा लगा

कोलफील्ड मिरर 08 मई (हरिश्चंद्रपुर): हरिश्चंद्रपुर थाना क्षेत्र के मशालदह ग्राम पंचायत के विभिन्न बूथों पर 'नौकरी चोरों को एक भी वोट नहीं' का नारा लगाया गया। इलाके के कांग्रेस और सीपीएम समर्थक हाथों में झंडे लेकर गठबंधन में ये नारे लगाते दिखे.

उनके मुताबिक, सत्ताधारी पार्टी के भ्रष्टाचार के कारण हाल ही में 26,000 शिक्षकों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है. इससे पहले भ्रष्टाचार के कारण 50,000 प्राथमिक शिक्षकों की नौकरियां इसी तरह निलंबित कर दी गई थीं। इस तरह से तृणमूल शिक्षित पीढ़ी को मार रही है। तो इस बार तृणमूल को वोट नहीं. ऐसी तस्वीर मशालदह ग्राम पंचायत के तालगाछी इलाके में देखि गई. उनकी मांग है कि इस बार राहुल गांधी ही देश के प्रधानमंत्री बनें. इसलिए उन्होंने भूमिपुत्र कांग्रेस के मुस्ताक आलम को वोट देने की अपील की. इस बार उत्तरी मालदा में उम्मीदवार मुस्ताक आलम के पचास हजार से अधिक वोटों के अंतर से जीतने की उम्मीद है.

'स्पंदन' हॉस्पिटल की ओर से आयोजित शिविर में 60 लोगों ने किया रक्तदान

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 08 मई (खड़गपुर/ मेदिनीपुर): सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए, मेदिनीपुर ब्लड सेंटर के आह्वान पर शहर के सबसे पुराने निजी अस्पताल 'स्पंदन' में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । मंगलवार को अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रक्त केंद्र के अधिकारियों ने शिविर के आयोजन में सहयोग का हाथ बढ़ाया। शिविर में 9 महिलाओं सहित कुल 60 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दिन अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों ने शिविर में रक्तदान किया। इसके अलावा कई शुभचिंतकों ने भी रक्तदान किया। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सौम्यशंकर सारंगी, मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की प्रिंसिपल डॉ. मौसमी नंदी, डिप्टी सुपर डॉ. श्यामल पटनायक, ब्लड सेंटर के एमओआईसी डॉ इश्शिता गंताइत, सामाजिक कार्यकर्ता शिक्षक सुदीप कुमार खांडा व अन्य शिविर में उपस्थित थे। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए 'स्पंदन' के अधिकारियों की ओर से अस्पताल के सीएमडी पीयूष पाल, निदेशक मनोज पति, निदेशक पार्थ मंडल और अस्पताल के अन्य अधिकारी और डॉक्टर भी शिविर में उपस्थित रहे। स्पंदन प्राधिकरण की ओर से निदेशक मनोज पति ने कहा कि वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर फिर से ऐसे शिविरों का आयोजन करेंगे। शिविर के सफल समापन के लिए मनोज पति और पार्थ मंडल ने स्पंदन की ओर से सभी संबंधितों को धन्यवाद दिया।

ज्ञात हो कि स्पंदन हॉस्पिटल इससे पहले विभिन्न रक्तदान शिविरों के आयोजन में विभिन्न संगठनों की मदद कर चुका है। मेदिनीपुर ब्लड सेंटर के अधिकारियों के आह्वान पर इस बार स्पंदन अस्पताल ने अपनी पहल और प्रबंधन के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

काल बैशाखी की चपेट में आकर 12 लोगो की मौत, सीएम ने कहा पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कोलकाता): राज्य के विभिन्न हिस्सों में आये आंधी-तूफान के कारण लगभग नौ लोगों की मौत होने की खबर मिली है. इसकी वजह से पूर्व बर्दवान जिले में सबसे अधिक पांच लोगों की जानें गयी हैं.

बताया गया है कि पूर्व बर्दवान जिले में सबसे अधिक पांच, पश्चिम मिदनापुर में दो व पुरुलिया जिले में दो लोगों की मौत हुई है. इसके अलावा नदिया जिले में दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि दक्षिण 24 परगना में पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी. राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी. कुछ घंटों की बारिश में 12 लोगों की मौत हुई है.

सीएम ममता बनर्जी कुछ घंटों की बारिश में 12 लोगों की मौत पर दुख जताया है. उन्होंने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि राज्य के आपदा प्रतिक्रिया बल पीड़ितों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए जिला प्रशासन के निर्देशन में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं. साथ ही पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि दिशा -निर्देशों के अनुसार सहायता राशि प्रदान करने की प्रक्रिया पर भी काम किया जा रहा है. साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा, इस तूफान में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं है.

इस बीच मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि मंगलवार को भी राज्य के 11 जिलों में भारी बारिश की संभावना है. पूर्वानुमान के मुताबिक, कोलकाता समेत हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व और पश्चिम बर्दवान, बांकुड़ा और झाड़ग्राम में आंधी-तूफान आने की संभावना है. 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मेदिनीपुर में भारी बारिश हो सकती है. बुधवार से शुक्रवार तक दक्षिण बंगाल के विभिन्न जिलों में छिटपुट बारिश की संभावना है.

जंगीपुर के एक मतदान केंद्र पर भाजपा- तृणमूल के बीच विवाद

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कोलकाता): मंगलवार को लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण की वोटिंग हुई। इनमें पश्चिम बंगाल के मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर और मुर्शिदाबाद लोकसभा सीट पर भी मतदान हुए। इस बीच, जंगीपुर के एक मतदान केंद्र पर भाजपा-तृणमूल के बीच विवाद का मामला सामने आया है।

यहां भाजपा उम्मीदवार धनंजय घोष और तृणमूल कांग्रेस के बूथ अध्यक्ष के बीच झड़प हो गई। बीजेपी उम्मीदवार ने तृणमूल के बूथ प्रेसिडेंट पर धमकाने का आरोप लगाया।

भाजपा उम्मीदवार ने तृणमूल के बूथ अध्यक्ष गौतम घोष पर मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, "मैं उम्मीदवार के रूप में यहां आया हूं और देख रहा हूं कि एक तृणमूल ब्लॉक सभापति बूथ के 100 मीटर के बीच आकर धमकी दे रहे हैं। मुझे भाजपा के उम्मीदवार को भी धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "एक उम्मीदवार के साथ अगर ऐसा व्यवहार हो सकता है, तो आम लोगों के साथ क्या-क्या हो सकता है। हम चुनाव आयोग से इस बारे में शिकायत करेंगे। मामला मीरग्राम प्राथमिक विद्यालय के 44 नंबर बूथ का है।

गौरतलब है कि तीसरे चरण में जिन 93 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उसमें असम की 4, बिहार की 5, छत्तीसगढ़ की 7, मध्य प्रदेश की 9, महाराष्ट्र की 11, दादर-नगर हवेली और दमन-दीव में एक-एक सीटें, गोवा की 2 सीटें, कर्नाटक की 14, पश्चिम बंगाल की 4, गुजरात की 25 और उत्तर प्रदेश की 10 सीटे हैं। 93 सीटों पर 1331 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इस चरण में बीजेपी के 82 प्रत्याशी तो कांग्रेस के 68 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। बसपा के 79 और सपा के 9 उम्मीदवार मैदान में हैं, तो शरद पवार की एनसीपी के 4 और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के 4 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसके अलावा एनडीए खेमे से अजित पवार की पार्टी के 3 प्रत्याशीऔर एकनाथ शिंदे की शिवसेना से 2 प्रत्याशियों का इम्तिहान होना है।

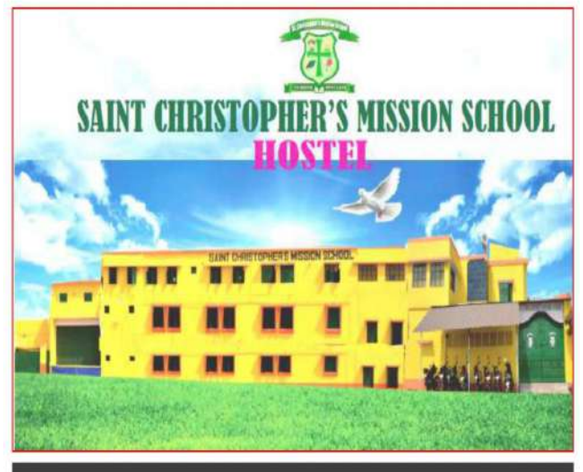

CBSE-Class XI Arts /Science & Commerce free admission going on.

Amount is Rs.25, 000 (Rs.10, 000 is the refundable security amount and Rs.15, 000 is adjustable with the hostel fees)

CONTACT NO- 9046111651, 7478052188

ADDRESS- BEHIND PP GORAI BUILDING ,HARIBOL TALA, HUTTON ROAD ,ASANSOL 713301

"Packing bags, arranging old stuff was not easy as I thought, my memories over weighed my luggage as I left my hostel room for the last time"

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का तृणमूल कांग्रेस ने स्वागत किया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल में एसएससी के जरिये स्कूलों में हुई 25,753 नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई होने तक स्थगनादेश दिया है. यानी सुप्रीम कोर्ट में 16 जुलाई को होने वाली सुनवाई के पहले तक नौकरियां बहाल रहेंगी. सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने स्वागत जताया है.

मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में न्याय पाकर मैं वास्तव में खुश और मानसिक रूप से संतुष्ट हूं. पूरे शिक्षक समुदाय को मेरी बधाई और माननीय सुप्रीम कोर्ट के प्रति मेरा हार्दिक सम्मान. इस मामले को लेकर सांसद व तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की छवि खराब करने और राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए पिछले सप्ताह भाजपा द्वारा कथित फेंके गये 'विस्फोटक' को निष्प्रभावी कर दिया है. सत्य की जीत हुई है. हम सभी बाधाओं को पार करते हुए अपनी अंतिम सांस तक लोगों के साथ व उनके हितों की रक्षा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे.

एसएससी मामले को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा बंगाल की छवि खराब करने के उद्देश्य से भाजपा के फेंके 'विस्फोटक' को सुप्रीम कोर्ट ने निष्प्रभावी कर दिया.कुणाल घोष ने कहा, राज्य सरकार बार-बार जो कह रही है कि मानवता की रक्षा के लिये नौकरियां नहीं रद्द की जानी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सकारात्मक प्रतिबिंब अभी समझा जा सकता है.

माकपा के चुनाव एजेंट ने केले के बगीचे में छिपकर बचाई जान

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल में 4 लोकसभा सीटों के लिए मंगलवार सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया। इस बीच मुर्शिदाबाद जिले के 2 निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ इलाकों से हिंसा की खबरें भी सामने आई हैं।

बता दें कि बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले के भागाबंगोला विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी मतदान चल रहा है। पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक इदरीस अली के असामयिक निधन के कारण ये सीट खाली हो गई थी। मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल में एक स्थानीय कांग्रेस नेता के आवास को निशाना बनाकर कथित तौर पर बम फेंके जाने के बाद तनाव बढ़ गया। तनाव बढ़ने से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

वहीं, मतदान शुरू होने के तुरंत बाद मुर्शिदाबाद जिले के रानीनगर में भी तनाव बढ़ने लगा। तनाव तब बढ़ा जब माकपा के बूथ एजेंट को एक चुनाव बूथ से जबरदस्ती बाहर निकाल दिया गया। कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कार्यकर्ताओं ने पीछा किया तो माकपा एजेंट मुस्तकीम शेख किसी तरह भागने में सफल रहे और इलाके के एक केले के बगीचे में छिप गए।

पश्चिम बंगाल में माकपा के राज्य सचिव और मुर्शिदाबाद निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद सलीम ने आरोप लगाया कि निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और एजेंटों को मंगलवार सुबह से ही धमकियां मिलनी शुरू हो गईं।

मालदा दक्षिण से बीजेपी उम्मीदवार श्रीरूपा मित्रा चौधरी ने भी इसी तरह के आरोप लगाए हैं कि उनकी एक महिला बूथ एजेंट को उस निर्वाचन क्षेत्र के इंग्लिश बाजार क्षेत्र में मतदान केंद्र से जबरदस्ती बाहर निकाल दिया गया। अंत में, वह बूथ पर पहुंची और अपने एजेंट के प्रवेश को सुनिश्चित कराया।

बीजेपी उम्मीदवार ने तृणमूल के बूथ प्रेसिडेंट पर धमकाने और मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीदवार के रूप में यहां आया हूं और देख रहा हूं कि एक तृणमूल ब्लॉक सभापति बूथ के 100 मीटर के बीच आकर धमकी दे रहे हैं। एक उम्मीदवार के साथ अगर ऐसा व्यवहार हो सकता है, तो आम लोगों के साथ क्या-क्या हो सकता है। हम चुनाव आयोग से इस बारे में शिकायत करेंगे।' मामला मीरग्राम प्राथमिक विद्यालय के 44 नंबर बूथ का है।

सीतारामपुर स्टेशन पर सिगनल की विफलता

कोलफील्ड मिरर 08 मई (आसनसोल): लगभग 17:30 बजे से पैनल बोर्ड के बटन काम नहीं करने के कारण सीतारामपुर स्टेशन पर सिगनलिंग प्रणाली ने आज (7.5.2024) काम करना बंद कर दिया। सिगनल एवं दूरसंचार अनुरक्षण कर्मचारियों ने तुरंत काम करना शुरू कर दिया और 18:30 बजे खराबी को ठीक कर दिया। हालाँकि, इस बीच पॉइंटों को बंद करके और पेपर सिगनल जारी करके सीतारामपुर स्टेशन के माध्यम से अप और डाउन दोनों ओर की ट्रेनों की आवाजाही को बनाए रखा गया। इसी क्रम में, 6 लंबी दूरी की ट्रेनें और 2 यात्री ट्रेनें थोड़े समय के लिए रास्ते में विलंबित हुईं। चेतना नंद सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, घटना की सूचना मिलने के बाद सीतारामपुर स्टेशन पहुंचे। इसके बाद ट्रेन का परिचालन सामान्य होने तक उन्होंने पूरे मामले की निगरानी की। अन्य शाखा अधिकारी आज मंडल रेल प्रबंधक के साथ थे।

पूर्व मध्य मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेनों का विनियमन

कोलफील्ड मिरर 08 मई (आसनसोल): पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल में दरभंगा- सकरी जंक्शन पर शिशो बाईपास कार्य के संबंध में प्री-नॉन-इंटरलॉकिंग/ नॉन- इंटरलॉकिंग कार्य के कारण दिनांक 05.05.2024 से 10.05.2024 तक ट्रेन का मार्ग परिवर्तन निम्नानुसार किया जाएगा:- संक्षिप्त समापन/ संक्षिप्त प्रारंभ: 13185 सियालदह-जयनगर गंगासागर एक्सप्रेस (09.05.2024 को होने वाली यात्रा) और 13186 जयनगर-सियालदह गंगासागर एक्सप्रेस (10.05.2024 को होने वाली यात्रा) लहेरियासराय से संक्षिप्त रूप से समाप्त होकर वापसी में लहेरियासराय से ही संक्षिप्त रूप से प्रारंभ होगी।

स्थानीय लोगों से प्रताड़ित और प्रशासन के उपेक्षा का शिकार हो रहे लखीराम टुडू

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कुल्टी): सांकतोड़िया 9 नंबर बाघाडांगा, माझीपाड़ा में अपनी ही जमीन पर घर बनवाने के लिए 44 वर्षीय लखीराम टुडू स्थानीय लोगों से प्रताड़ित और स्थानीय प्रशासन के उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। सांकतोड़िया पुलिस से नहीं मिल रहा सहयोग।

लखीराम टुडू ने बताया कि वह जन्म से ही अपने इस पुरुषों की जमीन पर रहते आ रहे हैं लेकिन जब वह अपनी जमीन पर घर बनवा रहे हैं तो आसपास के लोग उन्हें बाहरी कहकर घर नहीं बनाने दे रहे हैं।

इस दौरान 1 मई को जब वे अपने घर पर एस्बेस्टस चढ़ा रहे थे तो पड़ोसियों ने ईंट पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। इनमें मुख्य रूप से सोनामनी हांसदा के साथ, रुपाई टुडू, बिनोद हांसदा, तुलसी हांसदा, अदूरी हेम्ब्रम, शकुंतला मरांडी व अन्य साथ थी। हमले में पत्नी लुगुमनी टुडू और पुत्री राखी टुडू (25) को गंभीर चोट आई। पत्नी के कनपटी और पुत्री के दाहिने आंख पर चोट आई। घटना पर सांकतोड़िया पुलिस आकर सबकुछ देख हमें फांड़ी बुलाई। पर विरोधी नहीं पहुंचे।

हम फांड़ी पहुंचे तो पता चला कि जिन अधिकारी ने हमें बुलाया था वे नहीं पहुंचे। दूसरे अधिकारी तापस माजी थे। उन्होंने मेरे नाम पर शिकायत की बात कहकर मुझे अंदर कर दिया। कहा विरोधी पार्टी के नहीं आने पर तुम्हें नहीं छोड़ेंगे। मैंने कहा मेरी बेटी को चोट लगी है डॉक्टर दिखाना है।

उन्होंने कहा उसे कुछ नहीं हुआ है। प्राइवेट डॉक्टर को दिखाने से ठीक हो जाएगा। मुझे नहीं छोड़ने पर दूसरे को कहकर मैंने प्राइवेट डॉक्टर को दिखवाया। बाद में विरोधी पार्टी के आने पर मुझे समझौते पत्र पर जबरन हस्ताक्षर करवाया। उसकी कॉपी तक हमें नहीं दी गई और ना ही फोटो लेने दी गई। बोला अपने समाज को लेकर 5 मई को समझौता कर लेना।

लेकिन उस दिन रविवार 5 मई को समाज के लोग आए लेकिन विरोधी उपस्थित नहीं हुए। अब 8 मई का दूसरी मीटिंग की तारीख निर्धारित की गई है।

तृणमूल उम्मीदवार के समर्थन में ममता बनर्जी ने दुर्गापुर में किया रोड शो

कोलफील्ड मिरर 08 मई (दुर्गापुर): मुख्यमंत्री सह तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मंगलवार को बर्दवान- दुर्गापुर केंद्र से पार्टी उम्मीदवार कीर्ति आजाद के समर्थन में रोड शो किया. पुरुलिया और बांकुरा में दो बैठक करने के बाद ममता बनर्जी दुर्गापुर पहुंचीं.

कुछ मिनट बाद बेनाचित्ति पंचमाथा मोड़ से ममता बनर्जी का रंग-बिरंगा रोड शो शुरू हुआ. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना रोड शो बेनाचिट्टी बाजार होते हुए विरिंगी चौराहे पर समाप्त किया.

इस रोड शो में ममता बनर्जी के साथ उनके प्रचार सहयोगी राज्य के मंत्री अरूप विश्वास समेत उम्मीदवार कीर्ति आज़ाद, राज्य मंत्री प्रदीप मजूमदार, पूर्व मेयर अपूर्व मुखोपाध्याय इत्यादि अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। रोड शो पूरा करने के बाद कार में बैठने से पहले ममता बनर्जी ने कीर्ति आजाद से बात की. माना जा रहा है कि ममता बनर्जी ने चुनाव प्रचार के विभिन्न मुद्दों पर उन्हें कुछ निर्देश दिये.

ममता बनर्जी के रोड शो में सड़क के दोनों ओर उत्साही लोगों की भीड़ देखने लायक थी. चलते- चलते कई बार वह आम लोगो से मिली भी।

ममता बनर्जी ने कई आम लोगों से बात की. लोगों ने उन्हें उत्साह से देखा और समर्थन में हाथ हिलाये. ममता बनर्जी ने भी उनका अभिवादन किया. ममता बनर्जी के रोड शो में भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

रानीगंज में माकपा प्रत्याशी जहांआरा खान ने किया चुनावी रैली

कोलफील्ड मिरर 08 मई (रानीगंज): आसनसोल लोकसभा सीट से गठबंधन प्रत्याशी माकपा के जहांआरा खान के नेतृत्व में रानीगंज में रंग बिरंगे साजे हुए एक विशाल जुलूस निकाली गई।

मंगलवार की शाम रानीगंज के रेलवे ग्राउंड मैदान से आसनसोल के पूर्व सांसद बंसो गोपाल चौधरी तथा कांग्रेस के प्रभारी सोमनाथ चटर्जी समेत कई कार्यकर्ता व समर्थक विभिन्न बैनर व पोस्टर के साथ विभिन्न मार्गों से होते हुए रानीगंज बाजार क्षेत्र, शिशु बागान, रानीगंज एनएसबी रोड होते हुए राजबाड़ी पहुंचे। जुलूस के बीच में माकपा उम्मीदवार जहांआरा खान ने विद्रोही कवि काजी नजरूल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और रवीन्द्र प्रतिमा के सामने एक सभा कर जुलूस समाप्त किया. जुलूस में छात्र युवा और मजदूर संगठनों के साथ-साथ महिला संगठनों के कई सदस्यों ने हिस्सा लिया।

विजन लाइफ हयूमन राइट्स फाउडेशन की ओर से वोट को ले प्रेस कांफ्रेंस किया गया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (पांडवेश्वर): लोकसभा चुनाव में मतदाताओं से अपने पसंद के प्रत्यासी के पक्ष में मतदान करने की अपील के साथ विजन लाइफ हयूमन राइट्स फाउडेशन का प्रेस ईकांफ्रेंस किया,

संगठन के चेयरमैन कुलदीप कुमार सिंह ने अपने तीलाबोनी स्तिथ कार्यालय में विजन लाइफ से जुड़े सदस्यो के साथ पत्रकारों के सामने कहा कि यह आम चुनाव देश की दशा और दिशा बदलने का चुनाव है और आयोग सभी लोगो को इस महान चुनावी पर्व में अपनी उपस्तिथि दर्ज करवाने के लिए अपील कर रहा हैं ताकि वोट की प्रतिशत बढ़ाया जा सके, इसको लेकर चुनाव आयोग की ओर से सभी मतदाताओं के लिए पेयजल समेत धूप से बचने के लिए भी उपाय किया गया है, दिव्यांगो के लिए और बुजर्गो के लिए भी मतदान केन्द्र पर सुविधा उपलब्ध कराई गई है, इसलिए हम सभी मतदाताओं को इस चुनावी पर्व में अपनी उपस्थिति को दर्ज कराते हुए पहले मतदान फिर जलपान का नारा देकर वोट करे और एक अपनी पसंद की सरकार चुने,

इस प्रेस कांफ्रेंस के अवसर पर विजन लाइफ के संस्थापक सदस्य विनय हुसैन पौदार, राष्ट्रीय सचिव शिव आश्रय पंडित, संगठन सचिव राकेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे.

आईसीओ ऑफिसर्स एसोसिएशन की पहल पर आईओपीएल का शुभारम्भ

कोलफील्ड मिरर 08 मई (बर्नपुर): पीएल में आईसीओ ऑफिसर्स प्रीमियर (आईओपीएल) लीग क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हो गया है। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी निदेशक (डीआइसी) आइएसपी व डीएसपी बीपी सिंह ने किया. उन्होंने दीप प्रज्वलित कर क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया. इस अवसर पर ईडी (प्रोजेक्ट) सुरजीत मिश्रा, ईडी (एमएम) अभिक डे, ईडी (पी एंड ए) यूपी सिंह, बार्नपुर अस्पताल के सीएमओ डॉ. सुशांत सिन्हा, कमलेंदु मिश्रा, आईओए अध्यक्ष सुशील कुमार सुमन और अन्य उपस्थित थे।

डीआईसी बीपी सिंह ने कहा कि टीम वर्क से प्लांट का हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। क्रिकेट टूर्नामेंट खिलाड़ियों से खेल की भावना से खेलने का आह्वान करते हैं।

श्री सिंह ने आईओए की पहल की सराहना की. क्रिकेट टूर्नामेंट में राइजिंग सन, नाइट राइडर्स, इम्पैक्ट इग्नाइटर्स, क्रिकेट एवेंजर्स, रैपिड रैएर्स, लाइटिंग लीजेंड्स, स्टार क्रिकेटर्स और क्रिकेट बैशर्स जैसी आठ टीमें भाग ले रही हैं।

संकतोड़िया पहुँच तृणमूल उमीदवार शत्रुघ्न सिन्हा ने किया रोड शो

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कुल्टी): पश्चिम बंगाल आसनसोल कुलटी विधानसभा के संकतोड़िया झालबागान रोड इलाके मे आसनसोल लोकसभा सीट से खड़े तृणमूल उमीदवार शत्रुघ्न सिन्हा मंगलवार को चुनावी रैली करने के लिए तृणमूल नेताओं और समर्थकों के साथ पहुँचे, जहाँ उन्होने झाल बागान रोड से लेकर डीहसरगढ़ चिनाकुड़ी तक रोड शो किया. इस दौरान तृणमूल उमीदवार को देखने के लिये सड़क किनारे लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही, लोग उनको अपने मोबाईल कैमरे मे कैद करते दिखे तो वहीं शत्रुघ्न सिन्हा जनता से वोट मांगते देखे गए, वहीं शत्रुघ्न सिन्हा की इस चुनावी रैली मे, तृणमूल नेता उज्वल चटर्जी, शिवदसान दासु, कंचन रॉय, अमजद अंसारी सहित तृणमूल के कई नेता और कर्मी उपस्थित रहे और कुलटी की जनता से अपने तृणमूल उमीदवार के लिए वोट मांगते देखे गए. यह कहकर की वह शत्रुघ्न सिन्हा को वोट देकर तृणमूल सुप्रीमो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी की हाँथो को मजबूत करें.

पश्चिम बर्दवान एकता वेलफेयर सोसायटी का दूसरा जल वितरण शिविर का उद्घाटन

जरूरतमंद लोगों के साथ खड़ा रहना संस्था का उद्देश्य - रोहित नोनियां

कोलफील्ड मिरर 08 मई (कुल्टी): पूरे शिल्पांचल का तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक जा रहा है। जिसके कारन बढ़ती तपिश से आने जाने वाले राहंगीरों को गर्मी से काफी परेशानी हो रही है। इन राहगीरों को थोड़ी ठंडक मिले। वे अपने प्यास को बुझा सके। इसके लिए पश्चिम बर्दवान एकता वेलफेयर सोसाइटी ने पूरे कुल्टी विधानसभा में 6 विभिन्न स्थानों पर ठंडा जल वितरण शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया है।

इसके तहत सोमवार को जीटी रोड के सतईसा मोड़ के समीप ठंडा जल वितरण शिविर का उद्घाटन किया गया, तो वहीं दूसरी ओर मंगलवार को संकतोड़िया बाजार में ठंडा जल वितरण शिविर का उद्घाटन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन परबेलिया ग्रुप के अभिकर्ता केएसपी कैरों ने किया। इस मौके पर प्रबंधक के के प्रसाद, कार्मिक प्रबंधक चिन्मय सेनापति, एनजीओ संस्था के अध्यक्षा परी देवी, सचिव राहुल कुमार नोनिया, समाजसेवी सह पूर्व पार्षद रोहित नोनियां, आठ नंबर बोरो के अध्यक्ष रविलाल टुडू, 58 नंबर वार्ड के पार्षद संजय नोनिया, 104 नंबर वार्ड के पार्षद अंजन मंडल, पार्षद तारकनाथ धीवर, महिला नेत्री अनीता सिंह, पूर्व पार्षद पप्पू सिंह, पूर्व मेयर परिषद सदस्य मीर हाशिम, चंदन आचार्य, सुजीत कुमार सिंह, विनोद साव, धर्मवीर नोनिया, मनोज नोनिया, सुशील कुमार नोनियां, शिखा मंडल, पूर्व पार्षद विनोद यादव, नियामतपुर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के सचिव गुरविंदर सिंह, पूर्व पार्षद पूर्व चेयरमैन विमान आचार्य आदि उपस्थित थे।

इस मौके पर समाजसेवी रोहित नोनिया ने कहा कि शिल्पांचल के तापमान को देखते हुए आने जाने वाले रहांगीरों को प्यास बुझाने और थोड़ी ठंडक पहुंचाने के उद्देश्य से ठंडा जल वितरण शिविर लगाया जा रहा है। यह शिविर केवल संकतोड़िया बाजार में ही नहीं बल्कि कुल्टी विधानसभा के 6 विभिन्न स्थानों पर लगाया जाएगा। जिसमें धेमोमैन सतईसा मोड़ बस स्टैंड के समीप एक शिविर का उद्घाटन हो चुका है। जिसका उद्घाटन सोदपुर एरिया के महाप्रबंधक ने किया। आज इस शिविर का उद्घाटन किया गया। तीसरा शिविर का उद्घाटन नियामतपुर में बुधवार को किया जाएगा। जबकि इसके अलावा बराकर, कुल्टी और चीनाकुड़ी में भी ऐसा ठंडा जल वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जल वितरण शिविर एक महीना तक चलेगा। जो प्रतिदिन सुबह 9:00 से शुरू होकर 5:00 बजे समाप्त होगा।

उन्होंने कहा कि इस संस्था का उद्देश्य केवल जल वितरण करना ही नहीं बल्कि हर जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद के क्षेत्र में भी यह संस्था कार्य करेगी। उन्होंने यह अपील किया कि जो लोग अपने कार्यों को करते हुए इस संस्था से जुड़ना चाहते हैं। वे लोग ₹500 सदस्यता शुल्क देकर इस एनजीओ से जुड़ सकते हैं। ताकि कुल्टी ही नहीं बल्कि पूरे पश्चिम बर्दवान जिला में जरूरतमंदों के लिए कार्य किया जा सके।

उन्होंने कहा कि जो लोग समाज के सेवा करने हेतु तत्पर हैं। वे लोग हमें सुझाव भी दे सकते हैं कि और क्या-क्या कार्य किया जा सकता है। जिससे आम जनता को लाभ मिल सके। रोहित नोनियां ने कहा कि इस संस्था का किसी भी जाति, धर्म,भाषा से कोई लेना-देना नहीं है। हम लोग सभी के लिए कार्य करेंगे।

वहीं मुख्य अतिथि केपीएस कैरों ने कहा कि गर्मी के दिनों में प्यासे व्यक्तियों को प्यास बुझाना बहुत ही सराहनीय कार्य है। इसके लिए वे पश्चिम बर्दवान एकता वेलफेयर समिति को धन्यवाद ज्ञापन करते हैं।

इस दौरान संस्था के अध्यक्षा परी देवी सचिव राहुल नोनिया मुख्य अतिथि कीएसपी कैरों ने अपने हाथों से आने जाने वाले राहगीरों को ठंडा पेय जल पिलाया।

एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर में रोमांचक कार्यक्रम का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 08 मई (दुर्गापुर): एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर ने द ड्रॉपआउट टीम के सहयोग से 7 मई 2024 को एक रोमांचक कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) आलोक सत्संगी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। दीप प्रज्वलन समारोह में डॉ. अमृता भट्टाचार्य, प्रो. नम्रता मुखर्जी और प्रो. मिथुन गुहा जैसे संस्थान के प्रतिष्ठित प्रोफेसर उपस्थित थे।

ड्रॉपआउट टीम के हर्ष केशरी, फराज हुसैन, देबाश्री मैती, सूरज सिंह राजपूत और परमिंदर सिंह अरोड़ा ने अपने शानदार प्रदर्शन से भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में संगीत, स्टैंड अप कॉमेडी, कविता और शायरी जैसे मनोरंजक कार्यक्रम शामिल थे। ड्रॉपआउट टीम के संस्थापक अमित खान ने कार्यक्रम के विजेताओं को बधाई दी। इस कार्यक्रम ने युवाओं का जश्न मनाया और एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर ने इन उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच दिया। संस्थान के निदेशक. कार्यक्रम के अंत में सत्संगी ने ड्रॉपआउट टीम को सम्मानित किया और विजेताओं को पुरस्कार, उपहार और प्रमाण पत्र दिए जिससे प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ा। डॉ. सत्संगी ने कहा कि एनएसएचएम नॉलेज कैंपस, दुर्गापुर ने हमेशा युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया है और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों का समर्थन करता रहेगा।

पांडवेश्वर क्षेत्र के युवा अभियंता को जीएम की ओर से दिया गया प्रशस्ती पत्र

कोलफील्ड मिरर 08 मई (पांडवेश्वर): महाप्रबंधक पांडवेश्वर क्षेत्र अजय कुमार शर्मा की ओर से कोलियरी में अपनी कार्य को कर्मठता के साथ करने और कोयला उत्पादन बढ़ाने में सहयोग करने वाले कोलियरी अधिकारियों को उत्साहित करते हुए उनको प्रशस्ति पत्र के साथ ट्राफी देकर सम्मानित किया जा रहा है, इसी क्रम में क्षेत्र के अभियंता विद्युत और यांत्रिक हलधर रजक ने खुटाडीह कोलियरी के युवा अभियंता भूपेंद्र कुमार वरवार को जीएम का प्रशस्ति पत्र और ट्राफी देकर सम्मानित किया, इस अवसर पर अभियंता मनोज कुमार सुथवाल विभाग के कर्मचारी सुमित कुमार मंडल समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे,

आज का राशिफल

08 मई 2024
बुधवार

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन मिलाजुला रहेगा. बिजनेस में सतर्क रहे. कड़ी मेंहनत से ही सफलता मिलेगी. सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर सफल रहेगे. सेहत को लेकर सावधान रहें. नए घर में प्रवेश करेंगे.

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा. आध्यात्म की तरफ ध्यान रहेगा. वर्कस्पेस पर भविष्य को लेकर आप कुछ चिंतित हो सकते है. सामाजिक स्तर बेईज्जती हो सकती है. किसी खास के साथ ट्रेवलिंग पर जायेगे.

मिथुन
दिन सामान्य रहेगा. ससुराल में समस्या हो सकती है. मार्केट में पकड़ बनाने के लिए प्रयासरत रहेंगे. वर्कप्लेस पर तर्क-वितर्क न करें. संपत्ति विवाद के कारन संबंध खराब हो सकते है.

कर्क
दिन मिलाजुला रहेगा. बिजनेस में जोखिम उठाना पड़ेगा. सामाजिक स्तर पर कार्यों के लिए किसी से सहायता मिल सकती है. कार्यस्थल पर रिस्पांसिबिलिटी बढ़ेगी. परिवार का सपोर्ट मिलेगा.

सिंह
दिन अच्छा रहेगा. शत्रुओ की छुटकारा मिलेगा. वर्कस्पेस पर सिक्योरिटी हाई लेवल रखे. स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही ना बरते. कॉन्फिडेंस सबसे अलग रखेगा.

कन्या
दिन उत्तम रहेगा. संतान सुख व संतान से सुख मिलेगा. नया बिजनेस स्टार्ट करने की प्लानिंग करेंगे. बिजनेस और रिश्तेदारी को अलग-अलग रखे. सकारात्मक विचार से सफलता की ओर बढ़ेंगे.

तुला
दिन मिलाजुला रहेगा. बिजनेस में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय हानिकारक हो सकते है. बेरोजगार व्यक्ति को सुखद समाचार मिलेगा. सामाजिक स्तर पर समस्यां का सामना करना पड़ेगा.

वृश्चिक
दिन अच्छा रहेगा. दोस्त मददगार साबित होंगे. बिजनेस में लिए गए निर्णय लाभ दिलाएंगे. कार्यस्थल पर टीम वर्क के कारण आपके कार्य की तारीफ होगी. वर्क को लेकर परेशान हो सकते है.

धनु
दिन बढ़िया रहेगा. कार्यस्थल पर कार्य पुरे होंगे. बिजनेस में सफल होंगे. स्वास्थ्य में सुधार आएगा. सामाजिक स्तर पर अपने सपनों को पूरा करने में लग जाएं. जीवनसाथी से सम्बन्ध मजबूत बनेगे.

मकर
दिन अच्छा रहेगा. आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी. बिजनेस में ऑर्डर बढ़ेंगे जिससे प्रॉफिट बढेगा. कार्यस्थल पर सभी आपके कार्य से इंप्रेस होंगे. कोई सुनहरा मौका मिलेगा. सेहत आपके पक्ष में रहेगा.

कुंभ
दिन बढ़िया रहेगा. नए सम्पर्क से लाभ होगा. पार्टनरशिप बिजनेस में निवेश करने से बचे. किसी कारण आपके कार्य अटक सकते है. सेहत पर विशेष ध्यान दे. कोर्ट कचहरी के चक्कर लग सकता है.

मीन
दिन मिलाजुला रहेगा. बिजनेस में पैसों से संबंधित मामले में लापरवाही ना करे. कार्यस्थल पर किसी से बहस न करें. सामाजिक क्षेत्र में सपनों को पूरा करने के लिए और बेहतर प्रयास करना होगा.

राहुल गांधी ने गुमला में की चुनावी सभा, उमड़ा जनसैलाब

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): गुमला/ कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने प्रत्याशी के पक्ष लोगों से अपील करने के लिए झारखंड दौरे पर हैं, चाईबासा के बाद राहुल गांधी अपने विशेष हेलीकॉप्टर से गुमला पहुंचे, यहां लोहरदगा में कांग्रेस की टिक्ट पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सुखदेव भगत के लिए वोट मांग लोगों से मतदान की अपील की,

राहुल की चुनावी सभा में शामिल होने के लिए लोग बसिया के कोनबीर में सुबह से ही पहुंचने लगे थे, राहुल गांधी के साथ मंच पर सीएम चंपाई सोरेन, झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर मौजूद हैं,

राहुल गांधी की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर है। राहुल गांधी ने भाजपा व मोदी की कमियों को उजागर करते हुए प्रत्याशी सुखदेव भगत को जिताने की अपील की।

मुंह के बल गिरनेवाली है भाजपा- पप्पू यादव

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): पप्पू यादव सोमवार को धनबाद जिले में कई नुक्कड़ सभा एवं जनसंपर्क अभियान में भाग लेने के बाद निजी होटल में संध्या 5:00 बजे प्रेस को संबोधित किया।

धनबाद वर्तमान मोदी सरकार लोगों को छलने का काम किया है। केंद्र सरकार के पास कोई मुद्दा नहीं है, पिछले 10 सालों में महंगाई अपने चरम पर है। देश में शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई सहित कई मुद्दे पर बीजेपी हिट विकेट हो चुकी है। अपने वादों को भी भाजपा निभा नहीं पाई है।

उन्होंने कहा कि देश में 16 साल भाजपा ने शासन किया 6 साल अटल बिहारीवाजपेई और 10 साल नरेंद्र मोदी ने शासन किया, देश को क्या मिला, भाजपा सरकार उज्ज्वला योजना लेकर आई, गैस सिलेंडर इतने महंगे हैं, कि वह आम आदमी के पहुंच में नहीं है, उन्होंने इस बात का दावा किया है, कि आज भी देश पूरी तरह से ओडीएफ फ्री नहीं हुआ है, दलितों के गांव में आज भी 70 से 80% घरों में शौचालय नहीं है, उन्होंने कहा भाजपा की सरकार आज नोटबंदी पर चर्चा नहीं करना चाहती, हर एक लोगों के खाते में 15 .15 लाख जमा करने के वादे पर बात नहीं करना चाहती, काला धन, जाली नोट का क्या हुआ, इस पर कोई चर्चा नहीं करना करती है।

उन्होंने कहा भाजपा अच्छे दिन की बात करती है, कहां है अच्छे दिन अच्छे दिन नहीं बल्कि इस भाजपा सरकार में गठबंधन की सरकार को चार-चार बार गिराने की साजिश रची।

झारखंड इतना गरीब प्रदेश क्यों है, यहां कोयला, अबरक जैसी बेशुमार खनिज संपदा होने के बावजूद बेरोजगारी क्यों है, फैक्ट्रियां बंद क्यों है। इन मुद्दों पर बीजेपी कोई चर्चा नहीं करती है। झारखंड की जनता राहुल गांधी को पीएम के रूप में देखना चाहती है। और जनता मन बना चुकी है, चुनाव के बाद रिजल्ट साफ हो जाएगा, 400 पार का नारा देने वाली बीजेपी मुंह के बल गिरने वाली है।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

लोकसभा प्रत्याशी अनुपमा के समर्थन में पूर्णिमा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): सचेतक सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने चांदमारी मांझी बस्ती, चांदमारी भुइया पट्टी, चांदमारी वर्कशॉप (शिव मंदिर), बंगाली कोठी तथा धनसार में जनसंपर्क कर धनबाद से कांग्रेस की लोकसभा प्रत्याशी अनुपमा सिंह के समर्थन में मतदान हेतु अपील की। विधायक ने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि दिनांक 25 मई को मतदान केंद्र जाकर कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान कर कांग्रेस के हाथों को मजबूत करने का काम करें। साथ में रामकृष्ण पाठक, प्रमोद जी महंत, कमलेश सिंह, बामबेश सिंह, मुकेश कुमार, प्रमोद सिंह, उपेंद्र सिंह, राजू साव, शंकर सिंह, शत्रुघ्न सिंह, अनंत सिंह, छोटू मांझी, महावीर सिंह, दीपक हंसदा, कांता हंसदा, बिनोद हेंब्रम, कंचन चौहान, सुनील हेंब्रम, उपेंद्र कुमार, धीरज, करण, संजय, गुड्डू तथा भारी संख्या में महिला पुरुष शामिल थे।

आलोक राज झारखंड प्रदेश असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के प्रदेश संगठन सचिव बने

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): चूनाव के दौरान आलोक राज को उनके आवास पर प्रदेश अध्यक्ष शैलेश पांडे आकर नियुक्ति पत्र दिए। आलोक राज ने कहा कि धनबाद लोकसभा से अनुपमा सिंह को अपने टीम के साथ जीता कर दिल्ली भेजने का काम करूंगा मुझे प्रदेश संगठन सचिव बनाने के लिए आभार। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज प्रदेश अध्यक्ष शैलेश पांडे कांग्रेस प्रदेश सचिव बैभब सिन्हा आदि थे। पिंटू निषाद, जितेंद्र रजक, प्रमोद यादव, धनेश्वर राम, आशीष सिंहा, दया कुमार, रणजीत दास, ऋषि कुमार, अंगद कुमार, टिंकू रजक, उषा देवी, दीपक राय, आकाश रजक, प्रेम निशाद, धनंजय रजक, सुमित, राहुल आदि ने बधाई दी।

झूठा आश्वासन देकर लोगों को छलने का काम कर रही है मोदी सरकार- पप्पू यादव

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): बिहार के पूर्व सांसद पप्पू यादव ने धनबाद लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में चुनाव प्रचार के क्रम में झरिया के पूर्व विधायक आबो देवी के आवास पर जाकर कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में समर्थन मांगा,आबो देवी कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में लोगों से समर्थन मांगने के साथ अधिक से अधिक मतदान कराने का आश्वासन दिया,

आगे पप्पू यादव ने कहा कि आबो देवी से मेरा घरेलू रिश्ता रहा है, आज धनबाद हाउसिंग कॉलोनी, बिशनपुर, पुटकी, निरसा, झरिया सहित जिला के विभिन्न जगहों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया, हाउसिंग कॉलोनी में पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के आवास में जाकर मिले, जनसंपर्क अभियान के उन्होंने लोगों से हाथ छाप में वोट देकर कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह को विजयी बनाने का आह्वान किया।

जनसंपर्क अभियान के क्रम पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कहा कि देश की मोदी सरकार लोगों को झूठा आश्वासन देकर लोगों को छलने का काम कर रही है मोदी सरकार देश में जाति और धर्म के साथ समाज में भाई-भाई को बांटने का काम कर रही है मोदी सरकार अत्यंत पिछड़ा लोगों ओबीसी अंबेडकरवादी एवं बिरसा मुंडा जोहार बोलने वाले का सबसे बड़ा दुश्मन है, मोदी सरकार सभी मोर्चे पर विफल रही है देश में महंगाई बेरोजगारी चरम सीमा पर है लोग आर्थिक संकटों से जूझ रही है देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है इसके बावजूद मोदी सरकार मूकदर्शक बनी हुई हैं, कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों व वंचितों युवाओं महिलाओं और बेरोजगारों की बात करती है एवं उनके हक और अधिकार के लिए हमेशा कंधे से कंधे मिलाकर खड़ा रहने का काम किया है और आगे भी करते रहेगी देश में दलित व गरीबों का सबसे बड़ा दुश्मन भाजपा है आरक्षण संविधान के साथ कांग्रेस ने जो अधिकतर लोगों को दिया है उसे भाजपा छिनना चाहती है।

आगे उन्होंने संविधान की रक्षा के साथ अपने अधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में वोट देकर भारी मतों से विजय बनाने का आह्वान किया आगे उन्होंने कहा कि इंडिया महागठबंधन के प्रति लोगों का विश्वास जगा है और 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया महागठबंधन देश में सरकार बनाएगी। उनके नुक्कड़ सभा, जनसभा और जनसंपर्क अभियान के दौरान भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और लोग उत्साहित दिखे लोगों ने कांग्रेस के पक्ष में भारी से भारी संख्या में अपना मतदान करने का आश्वासन दिया।

मौके पर जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों का आभार प्रकट करते हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में भारी से भारी संख्या में वोट देकर कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाने का आह्वान किया। मौके पर धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के जिला, सुंदर यादव, अवधेश यादव सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

कुश कुमार ने कैडर स्कीम का ज्ञापन बीसीसीएल के सीएमडी को दिया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): इनमोसा के दीर्घकालीन प्रयास से कैडर स्कीम में संशोधन के तहत सभी कंपनियों में कमेटी गठित हुआ। राष्ट्रीय संगठन सचिव सह उप महामंत्री, बीसीसीएल के कुश कुमार सिंह ने अवगत कराया कि माइनिंग सुपरवाइजरी स्टाफ के प्रमोशन कैडर स्कीम के संशोधन हेतु पत्रांक के माध्यम से चेयरमैन कोल इंडिया एवं कोयला मंत्रालय को विगत कई वर्षों से कई बार अवगत कराया गया।

इस संदर्भ में निदेशक कार्मिक कोल इंडिया से एजेंडा मीटिंग में कैडर संशोधन की बात रखी गई थी।

कुश कुमार ने कहा कि माइनिंग सुपरवाइजरी स्टाफ को अपने पूरे कार्यकाल में सिर्फ तीन ग्रेड प्रमोशन दिया जाता है। जो किसी भी स्थिति में न्याय संगत नहीं है। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया उच्च प्रबंधन ने कैडर स्कीम की समीक्षा के विषय को संज्ञान में लिया एवं तत्परित कार्रवाई करने पर संगठन के तमाम पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि मिश्रा कमेटी के तहत मीनिंग सुपरवाइजर को ग्रेड -C से E-5 तक प्रमोशन कैडर जारी किया गया था परंतु किसी कारणवश यह संशोधन कुछ समय बाद बंद हो गया। कुश कुमार कहा कि पूरे कार्यकाल में तीन प्रमोशन होने से करियर एवं आर्थिक ग्रोथ में भारी नुकसान होता है। बीसीसीएल जोन के केंद्रीय कमेटी के ओर से कैडर स्कीम के संशोधन हेतु उप महामंत्री कुश कुमार सिंह ने अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता एवं निदेशक (कार्मिक) को पत्रांक के माध्यम से कैडर संशोधन में मांग पत्र दिया। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने मांग पत्र पर कोल इंडिया प्रबंधन से अनुशंसा करने की बात कही।

कुश कुमार ने कहा कि मीनिंग सुपरवाइजर कंपनी के हर परिस्थिति में कंपनी के साथ खड़े रहते हैं और करियर ग्रोथ उनका अधिकार है। उन्होंने अवगत कराया कि राष्ट्रीय महामंत्री पी एन मिश्रा ने पत्रांक- INMOSSA/GS/CIL/24/66 dated- 22/04/24 द्वारा कोल इंडिया चेयरमैन को कैडर स्कीम की अनुशंसा पत्र दिया हैं।

इस विशेष कार्यक्रम में बीसीसीएल केंद्र कमेटी के एमपी चौहान, अजीत सिंह, विजय यादव, अशोक कनौजिया, यशवंत कुमार सिंह, जयनंदन पासवान, अरविंद कुमार सिंह आदि हैं।

ढुलू महतो ऐतिहासिक विजय दिलाने का संकल्प लिया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): धनबाद लोकसभा एनडीए सांसद प्रत्याशी धुल्लु महतो को निरसा प्रखंड प्रमुख आशा देवी के नेतृत्व में उनके पीठकीयारी स्थित आवास पर 20 पंचायत समिति सदस्यों ने एक साथ समर्थन देते हुए ऐतिहासिक विजय दिलाने का संकल्प लिया॥ मौके पर ढुलू महतो ने कहा कि आपलोगो ने जिस विश्वास और उम्मीद के साथ मेरा समर्थन किया है ये बेकार नहीं जाने दूंगा॥

मधुमिता एडू मेड फाउंडेशन के तत्वाधान में रक्त दान शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): मधुमिता एडू मेड फाउंडेशन के तत्वाधान में गीताश्री भवन, हीरापुर धनबाद में आयोजित मेगा रक्त दान शिविर में शामिल हुई झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह शामिल हुई रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए फाउंडेशन की प्रशंसा की।

स्क्रूटनी में 3 प्रत्याशी का नामांकन अस्वीकार

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने लोकसभा चुनाव के लिए प्राप्त सभी 28 नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की। स्क्रूटनी के दौरान कुछ उम्मीदवार स्वयं और कुछ उम्मीदवार के प्रतिनिधि मौजूद थे। स्क्रूटनी में 3 प्रत्याशी, हीरा लाल शंखवार, नारायण गिरी तथा गौतम कुमार महतो का नामांकन अस्वीकार किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 9 मई 2024 को दोपहर 3:00 बजे तक नाम वापस लेने की अंतिम तिथि निर्धारित है। धनबाद में 25 मई को सुबह 7 बजे से संध्या 5 बजे तक मतदान निर्धारित है। 4 जून 2024 को मतगणना तथा 6 जून को चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक अनूप खिनची, उपायुक्त माधवी मिश्रा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, आरओ सेल के नोडल पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला तथा अन्य लोग मौजूद थे।

ढुल्लू महतो के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया गया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (निरसा): भारतीय जनता पार्टी एगारकुंड मंडल अंतर्गत पिछड़ी जाति मोर्चा सम्मेलन एवं मुगमा मोड़, मुगमा स्टेशन, भालुकुसुंधा में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने कहा आपका बेटा आपका सुख-दुख में 24 घंटा खड़ा रहेगा और यहां के जितने भी बड़ी समस्या सबको समाधान करेंगे। मौके पर निरसा विधानसभा के विधायक अर्पणा सेनगुप्ता जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, धनबाद ग्रामीण के जिला अध्यक्ष महादेव कुंभकार, मंडल अध्यक्ष रंजीत मोदी, प्रशांत बनर्जी, मनु तिवारी, विजय सिंह, गुड्डू सिंह, अजय चौधरी, संजय ठाकुर, घोषाल राम, डब्लू बाउरी, सुरेंद्र यादव, मनोज यादव, मिथिलेश कुमार, राकेश चंद्रवंशी, इंदु देवी, दुर्गा देवी, रिंकी देवी, गीता गिरी सहित सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया गया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इस चरण में आरएसपी कॉलेज के कैंपस अम्बेसडर राहुल कुमार मिश्रा के नेतृत्व मे अपने आरएसपी कॉलेज झरिया बेलगाडिया में जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ निलेश सिंह ने कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं और अन्य मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई। जिसमे मौके पर मौजूद परीक्षा नियंत्रक मुंडा सर, कमरुद्दीन सर, बरसर सरदार सर, अंशुमान सर, मनोरंजन सर, समीम सर, अनिल सर, रूबी मैम, माधुरी मैम, मनोज कुमार सिंह, रुपेश निषाद, और सैकड़ो छात्र है मौजूद थे सभी ने लोकतंत्र की रक्षा और मतदान के प्रति समाज को जागरूक करने हेतु शपथ ली॥

धनबाद लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने कई क्षेत्रों मे जनसंपर्क की

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): धनबाद लोकसभा से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने मंगलवार को धनबाद जिले के विभिन्न क्षेत्र व केंदुआडीह क्षेत्र के कई स्थानों पर धुआंधार जनसंपर्क कर लोगो से कांग्रेस से के पक्ष में मतदान करने की अपील की, केंदुआडीह के खैरा मे जनता को संबोधित करते हुए अनुपमा सिंह ने कहा कि आज जनता बेरोजगारी महंगाई से त्राहिमाम है मगर केंद्र सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है. लोग अब भारतीय जनता पार्टी के जुमलेबाजी को समझ चुकी है. और इस लोकसभा चुनाव में जनता मुहतोड़ जवाब देगी. कांग्रेस की सरकार 70 सालों में विकास का कार्य किया है. लोगों को रोजगार से जोड़ा है. वही उन्होंने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि आगामी 25 तारीख को आप अपना वोट देने मतदान केंद्र पर अवश्य जाएं और एक साफ छवि के प्रत्याशी को चुने.जो आपके सुख दुख में हमेशा आपके साथ खड़ा रहे. मौके पर केंदुआ करकेन्द क्षेत्र के सैकड़ो कार्यकर्ता के साथ ग्रामीण मौजूद थे।

मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव व उनके नौकर को ईडी ने कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): रांची/ झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल व उनके नौकर जहांगीर आलम को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के ठिकानों से ईडी को कुल 35 करोड़ 23 लाख रुपयों के अलावा भारी मात्रा में लेनदेन, ट्रांसफर-पोस्टिंग से संबंधित दस्तावेज, डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। ईडी ने दोनों को मंगलवार को पीएमएलए की विशेष अदालत में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा भेज दिया गया है। ईडी ने कोर्ट से दोनों को 10 दिनों तक रिमांड पर पूछताछ की अनुमति मांगी, जिसमें कोर्ट से ईडी को केवल छह दिनों तक पूछताछ की अनुमति मिली है। बुधवार से दोनों की रिमांड शुरू होगी। रिमांड आवेदन में ईडी ने बताया है कि संजीव लाल प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में टेंडर मैनेज करते थे। वे इंजीनियरों से मोटी रकम वसूलते थे। कमीशन सरकार में ऊपर तक पहुंचता था। ईडी ने अनुसंधान में पाया है कि टेंडर कमीशन के इस कुकृत्य में वरिष्ठ नौकरशाह से लेकर नेता तक शामिल थे, जिनके नाम सामने आ चुके हैं।

ईडी ने कोर्ट में बताया है कि ग्रामीण विकास विभाग के नीचे से लेकर ऊपर तक के बहुत से अधिकारी-कर्मी इस टेंडर कमीशन के नेटवर्क का हिस्सा रहे हैं। सभी नकदी वसूली में शामिल थे और उन रुपयों की धनशोधन किया। छापेमारी में बरामद रुपयों के बारे में दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इन्होंने पूछताछ में ईडी को सहयोग नहीं किया। इनकी चल-अचल संपत्ति को चिह्नित करने के लिए इनसे पूछताछ की आवश्यकता है। गिरफ्तार जहांगीर आलम संजीव लाल के निर्देश पर प्रभावशाली व्यक्तियों से रुपयों की वसूली करता था। दोनों ने मिलकर अपराध से संपत्ति अर्जित की है।

जहांगीर आलम के ठिकाने से 32 करोड़ 20 लाख रुपये बरामद किए गए हैं। उनके अन्य सहयोगी के ठिकाने से दो करोड़ 93 लाख व संजीव लाल के ठिकाने से 10 लाख पांच हजार रुपये की बरामदगी हुई है। संजीव लाल के आवास से दो वाहन बरामद किए गए हैं, जिनमें एक वाहन जहांगीर आलम के नाम पर था। ईडी ने कोर्ट को बताया है कि यह साबित होता है कि अपराध में संजीव लाल का जहांगीर आलम नजदीकी सहयोगी रहा है। ईडी ने टेंडर कमीशन घोटाले में गत वर्ष 23 फरवरी 2023 को ग्रामीण कार्य विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था।

ईडी को यह जानकारी मिली थी कि वीरेंद्र राम व अन्य इंजीनियरों ने भी संजीव लाल को टेंडर कमीशन में करोड़ों रुपये दिए थे। उस समय से ही ईडी की नजर संजीव लाल पर थी। एसीबी जमशेदपुर में 13 नवंबर 2019 को दर्ज कांड संख्या 13/2019 के आधार पर ईडी ने 17 सितंबर 2020 को ईसीआइआर किया था। ईडी की छानबीन में मिले तथ्यों व सूचनाओं के आधार पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने तीन मार्च 2023 को कांड संख्या 22/2023 दर्ज की थी।

यह एफआईआर वीरेंद्र कुमार राम, मुकेश मित्तल व अन्य अज्ञात पर दर्ज हुई थी। इसमें बंद हो चुके भारतीय नोट की बरामदगी से संबंधित धाराएं भी लगीं थीं। ईडी ने उन सभी कांडों को भी अपने ईसीआइआर में जोड़ दिया था। छानबीन के बाद ईडी ने 21 अप्रैल 2023 को वीरेंद्र राम, आलोक रंजन, राजकुमारी व गेंदा राम के विरुद्ध कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसके बाद 20 अगस्त 2023 को ईडी ने मुकेश मित्तल, तारा चंद, नीरज मित्तल, रामप्रकाश भाटिया, हरिश यादव व हृदया नंद तिवारी के विरुद्ध पूरक आरोप पत्र दाखिल किया था।

ईडी ने वीरेंद्र राम को 23 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था, तब वे ग्रामीण कार्य विभाग में मुख्य अभियंता थे। उस वक्त छानबीन में यह बात सामने आई थी कि वीरेंद्र राम टेंडर के बदले में 1.5 प्रतिशत का कमीशन लेते थे। कमीशन की राशि वरिष्ठ अधिकारियों न नेताओं में बंटती थी।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में शुरूआत

कोलफील्ड मिरर 08 मई (धनबाद): परियोजना प्रबंधन और सिमुलेशन सॉफ्टवेयर के साथ परियोजना और वित्तीय प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में शुरूआत। प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी (आईएसएम), धनबाद ने सोमवार को बीसीसीएल, धनबाद द्वारा प्रायोजित पांच दिवसीय (6 मई से 10 मई) कार्यकारी विकास कार्यक्रम (ईडीपी) लॉन्च किया है, जिसका शीर्षक है. परियोजना प्रबंधन और सिमुलेशन के साथ परियोजना और वित्तीय प्रबंधन" कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी (आईएसएम) के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर जेके पटनायक ने भाग लेने वाले बीसीसीएल अधिकारियों के अलावा कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बीसीसीएल के 12 विभिन्न क्षेत्रों एवं मुख्यालय के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए, प्रोफेसर पटनायक ने कहा, चूँकि प्रधान मंत्री श नरेंद्र मोदी जी का फोकस 2047 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन पर है एवं कोयले को ऊर्जा का गंदा श्रोत माना जाता है।

समाज मे आज मध्यम, निम्न वर्ग के लोगों द्वारा मोबाइल, कम्प्यूटर, इंटरनेट का बेजा व अनावश्यक उपयोग, प्रयोग

आम आदमी के खर्च का बोझ बढ़ाता मोबाइल, कम्प्यूटर, इंटरनेट का मायाजाल

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: सीधे-सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है, जो आम आदमी की के लिए नशे की लत सदृश्य है। बच्चे, युवा मोबाइल के बेहद आदि हो गए हैं उनकी इस आदत से पीछा छुड़ाना भी अभिभावकों के लिये सिरदर्द बन चुका है। टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के बाद संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत समीचीन तथा भविष्य का एक तूफानी विकास है। विभिन्न संचार माध्यमों के आपस में जुड़े कंप्यूटर एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का समूह कंप्यूटर नेटवर्क कहा जाता है, और इन्हीं कंप्यूटर नेटवर्क का विश्व स्तरीय अंतरजाल को अंग्रेजी में इंटरनेट कहा जाता है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान-प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में 'अपारनेट' की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। इंटरनेट का सार्थक उपयोग समाज में शिक्षा संगठन और भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव ट्रैक होने के साथ एक चमत्कारिक परिवर्तन समाज में आया है। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना ,संगीत सुनना, चित्र बनाना ,फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90% लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय परिपेक्ष में 140 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40% लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। मोबाइल और कंप्यूटर में उपयोग होने वाला इंटरनेट एक ऐसा अंतरजाल है जिस का आविष्कार सूचनाओं को साझा करने के उद्देश्य किया गया था और अब सूचना प्रौद्योगिकी के इस वर्तमान काल में दस्तावेजों एवं ध्वनि माध्यम के साथ वीडियो का आदान प्रदान करना भी इंटरनेट के माध्यम से संभव हो गया है। हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार, शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं। इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है। भारत में इस इंटरनेट या अंतरजाल ने जहां पूरे भारत को एक करके रख दिया है वहीं दूसरी तरफ इंटरनेट की सेवाएं जो एयरटेल आइडिया, डोकोमो, टाटा,जिओ और बीएसएनएल जैसी कंपनियां भारतीय उपभोक्ताओं को शहर से लेकर गांव तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता ₹10 से लेकर ₹100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था ,अब इंटरनेट की कंपनियां ₹200 से लेकर ₹1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे-सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है। हालांकि यह सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं सी ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है।अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है। यह सभी कंपनियों का गरीब उपभोक्ता के जेबों में सीधे-सीधे पैसे निकालने का सुनियोजित षड्यंत्र की तरह कर रहीं है। भारत के हर तीसरे व्यक्ति के पास एंड्राइड या स्मार्टफोन उपलब्ध है और यह बड़ी कंपनियां हर माह इन उपभोक्ताओं को आवश्यक रूप से इंटरनेट उपलब्ध कराने के पैकेज देकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास कर रही है, इस पर प्रभावी नियंत्रण अति आवश्यक है। इस तरह के मोबाइल रिचार्ज पर सरकार को कड़ा कानून बनाकर इस के नियमन पर नियंत्रण रखना होगा। यह एक तरह की उपभोक्ताओं की परोक्ष तथा अदृश्य भावनाओं से खेल कर उनके बजट से आर्थिक लाभ लेने की सुनियोजित योजनाएं हैं ,जिनमें तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता होगी। भारत में इंटरनेट सेवा की शुरुआत भारत संचार निगम लिमिटेड ने वर्ष 1995 की थी अब एयरटेल, रिलायंस, टाटा इंडीकॉम, वोडाफोन, जैसी दूरसंचार कंपनियां इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराती है। विज्ञान की प्रकृति के साथ-साथ सूचना संचार माध्यम में आशातीत वृद्धि हुई है। इंटरनेट के माध्यम से न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती बल्कि रोजगार प्राप्ति के लिए सहायक होते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कहा जाता है कि इंटरनेट दुनिया के सबसे बड़ा पुस्तकालय है यहां सभी पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध हैं। इंटरनेट की एक को ही देखकर हमें भारतीय संदर्भ में आम उपभोक्ताओं के आर्थिक बजट को भी ध्यान में रखकर इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों पर नजर रख बातचीत करने के लिए सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ इंटरनेट उपलब्ध कराना एक विकल्प रखना चाहिए । अन्यथा सीधा-सीधा इंटरनेट कंपनियां भारतीय आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने का काम ही कर रही है। इसके अलावा इंटरनेट से बच्चों तक अवांछित नग्न दृश्य भी इंटरनेट आसानी से उपलब्ध कराकर उनके भविष्य से खिलवाड़ भी कर रहा है। लोग इंटरनेट का दुरुपयोग कर अश्लील साइटों को देखने और सूचनाओं को चुराने में भी सकते इससे साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है।भया दोहन की घटनाएं भी बार-बार इंटरनेट के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। अतः भारतीय उपभोक्ताओं को यह सलाह है कि इंटरनेट का ज्ञान की तरह उपयोग करें, कूड़ेदान की तरह नहीं। यदि इसका सही उपयोग ज्ञान के सागर में गोता लगाने के लिए किया जाए और ज्ञान उपलब्ध हो सके तो इससे अच्छी कोई बात नहीं हो सकती। बस इसके आर्थिक पक्ष पर भी समुचित नजर रखी जानी चाहिए।

संजीव ठाकुर
संयोजनकर्ता, चिंतक, स्तंभकार
(वर्ल्ड रिकार्ड धारक लेखक)
रायपुर छत्तीसगढ़

मानव और मानवता के लिए समर्पित संस्था रेडक्रास

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस हर साल आठ मई को मनाया जाता है। इसके संस्थापक हेनरी ड्यूनेंट के जन्मदिन पर यह दिन मनाया जाता है। हेनरी ड्यूमेंट के प्रयासों से 1864 में जेनेवा समझौते के जरिए अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस मूवमेंट की स्थापना हुई थी। हेनरी ड्यूमेंट को पहला नोबेल शांति पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

रेडक्रॉस एक स्वयंसेवी संस्था है। और देश के किसी भी भाग में प्राकृतिक या मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने और राहत पहुंचाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस तरह की संस्थाओं में जो स्वयंसेवक होते हैं, उनसे लोगों को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। वर्तमान समय और परिस्थितियों में रेड क्रॉस की भूमिका केवल युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना और उचित उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नहीं रह गया है। अब उसके दायित्व का दायरा और अधिक बढ़ गया है। विश्व में जब से कोरोना जैसी महामारी ने अपना पैर पसारा है तब से तो इस संस्था की महत्वता और दायित्व दोनों में काफी इजाफा हो चुका है। और इसका कार्य बहुत आवश्यक और महत्वपूर्ण हो चुका है।

पिछले कुछ सालों के दौरान आई प्राकृतिक आपदाएं, भयंकर बाढ़ और सुनामी लहरों के तांदव तथा कैटरीना तफान के दौरान दुनियाभर में हर साल आज का दिन 'अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और जहां तक भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी का सवाल है, इसकी स्थापना 1920 में भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी अधिनियम के तहत की गई थी। और उसके नौ साल बाद इसकी गतिविधियों को ध्यान में रखकर अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन ने इसे अपनी मान्यता दी।

आज के इस आधुनिक दौर मे दुनिया में युद्ध के तरीकों और कारणों में बड़ा अंतर आ चुका है। अभी देखिए पिछले दो महीने से अधिक रूस और यूक्रेन के जंग को खत्म होने का कोई आसार नजर नहीं आ रहा है। यह एक भीषण त्रासदी बन चुकी है। कहने को तो इसे मात्र दो देशों का युद्ध कह सकते हैं लेकिन इसके परिणाम अति भयंकर साबित हो रहे हैं, और सारी दुनिया में इसका प्रभाव देखा जा रहा है। प्रत्येक देश कहीं ना कहीं इस युद्ध के दुष्परिणाम से प्रभावित एवं उसके दुष्प्रभाव को झेलने पर मजबूर हो चुका है। स्वयं भारत भी इससे अप्रभावित नहीं रह पाया है। और भारत में भी महंगाई, सामानों का अभाव एवं वैश्विक संबंधों में परेशानियां दिखनी शुरू हो गई है।

अब युद्ध के दौरान सैनिकों की सहायता के साथ ही प्राकृतिक या मानवीय आपदाओं के शिकार लोगों को राहत एवं मदद पहुंचाने में भी रेड क्रॉस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दुनियाभर में शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान और छवि बना ली है। आज दुनिया के किसी भी भाग में प्राकृतिक या मानवीय आपदा में अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस की टीम सबसे पहले पहुंचकर राहत कार्य में जुट जाती है।

वर्तमान समय और परिस्थितियों में इस संस्था का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। असलियत तो यह है कि आज की विकट परिस्थितियों में अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस जैसी संस्था पूरे विश्व की जरूरत बन गई है जो आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त की तरह मदद का हाथ बढ़ाती है। इतना ही नहीं देश में रक्त एकत्र करने और उसको जरूरतमंद लोगों को समय पर पहुंचाने में यह संस्था जिस प्रकार कार्य कर रही है।वह किसी से छिपा नहीं है।

यह लोगों को रक्तदान की प्रेरणा देती है, ताकि लोग अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करें। यह स्वयं शिविर लगाकर हर साल बड़ी मात्रा में रक्त एकत्र करती है, ताकि जरूरत के समय किसी प्रकार की कमी न रहे। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी एक स्वयंसेवी राहत संस्था है है जो पूरे देश में सात सौ से अधिक शाखाओं का नेटवर्क है। आपदा और आपातकाल के समय राहत प्रदान करता है। और कमजोर लोगों और समुदायों के स्वास्थ्य और देखभाल को बढ़ावा देता है।

देश के विभिन्न भागों में यह संस्था बहुत ही सफलता के साथ कार्य कर रही है। इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ती जा रही है। वैश्वीकरण के इस जमाने में तेल और परमाणु हथियारों पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए युद्ध की बढ़ती आशंका और समय-समय पर भूकंप, तूफान और इसी तरह की अन्य अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं के समय पेश आने वाले मुश्किल हालात से निपटने में अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस जैसी संस्था का महत्व और अधिक बढ़ गया है।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: भारतीय इतिहास में राजपूताने का गौरवपूर्ण स्थान रहा है। यहां के रण बांकुरों ने देश, जाति, धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने में संकोच नहीं किया। वीरों की इस भूमि में राजपूतों के छोटे बड़े अनेक राज्य रहे है, जिन्होंने भारत की स्वाधीनता के लिए संघर्ष किया। इन्हीं राज्यों में मेवाड़ का अपना अलग ही स्थान है। जिसमें महाराणा प्रताप जैसे महान वीर ने जन्म लिया था। मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप अपने पराक्रम और शौर्य के लिए पूरी दुनिया में मिसाल के तौर पर जाने जाते हैं। एक ऐसे राजपूत राजा जो जीवन पर्यन्त मुगलों से लड़ते रहे, जिसने जंगलों में रहना पसंद किया, लेकिन कभी विदेशी मुगलों की गुलामी स्वीकार नहीं की थी। उन्होंने देश, धर्म और स्वाधीनता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया था।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में सिसोदिया कुल में हुआ था। उनके पिता का नाम महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता का नाम रानी जीवंत कंवर था। महाराणा प्रताप अपने पच्चीस भाइयो में सबसे बड़े थे। इसलिए उनको मेवाड़ का उत्तराधिकारी बनाया गया। महाराणा प्रताप के समय में दिल्ली पर अकबर का शासन था और अकबर की निती हिन्दू राजाओ की शक्ति का उपयोग कर दूसरे हिन्दू राजा को अपने नियन्त्रण में लेने की था। 1567 में जब राजकुमार प्रताप को उत्तराधिकारी बनाया गया उस वक्त उनकी उम्र केवल 27 वर्ष थी। उस वक्त मुगल सेना ने चितौड़गढ़ को चारो और से घेर लिया था। तब महाराणा उदयसिंह मुगलों से लडने के बजाय चितौड़गढ़ छोडकर परिवार सहित गोगुन्दा चले गये। महाराणा प्रतापसिंह फिर से चितौड़गढ़ जाकर मुगलों से सामना करना चाहते थे। लेकिन उनके परिवार ने चितौड़गढ़ जाने से मना कर दिया।

गोगुन्दा में रहते हुए महाराणा उदयसिंह और उसके विश्वासपात्रो ने मेवाड़ की अस्थायी सरकार बना ली थी। 1572 में महाराणा उदय सिंह अपने पुत्र प्रताप को महाराणा का खिताब दिया। उसके बाद उनकी मृत्यु हो गयी। वैसे महाराणा उदय सिंह अपने अंतिम समय में अपनी प्रिय रानी भटियानी के पुत्र जगमाल सिंह को राजगद्दी पर बिठाना चाहते थे। प्रताप ने अपने पिता की अंतिम इच्छा के अनुसार उसके सौतेले भाई जगमाल को राजा बनाने का निश्चय किया। लेकिन मेवाड़ के विश्वासपात्र चुंडावत राजपूतो ने जगमाल सिंह को राजगद्दी छोडने को बाध्य कर दिया। तब जगमाल सिंह ने बदला लेने के लिए अजमेर जाकर अकबर की सेना में शामिल हो गया और उसके बदले में उसको जहाजपुर की जागीर मिल गयी। इस दौरान राजकुमार प्रताप को मेवाड़ के 54 वे शासक के साथ महाराणा का खिताब मिला।

1572 में प्रताप सिंह मेवाड़ के महाराणा बन गये थे। लेकिन वो पिछले पांच सालो में चितौड़गढ़ नहीं गये थे। महाराणा प्रताप को अपने पिता के चितौड़गढ़ को पुनः देख बिना मौत हो जाने का बहुत अफसोस था। अकबर ने चितौड़गढ़ पर तो कब्जा कर लिया था। लेकिन मेवाड़ का राज अभी भी उससे बहुत दूर था। अकबर ने कई बार अपने दूतो को महाराणा प्रताप से संधि करने के लिए भेजा। लेकिन महाराणा प्रताप ने संधि प्रस्तावों को ठुकरा दिया। 1573 में संधि प्रस्तावों को ठुकराने के बाद अकबर ने मेवाड़ का बाहरी राज्यों से सम्पर्क तोड़ दिया और मेवाड़ के सहयोगी दलों को अलग थलग कर दिया।

महाराणा प्रताप ने मुगलों से सामना करने के लिए अपनी सेना को अरावली की पहाडियों में भेज दिया। महाराणा युद्ध उस पहाड़ी इलाके में लड़ना चाहते थे जहां मेवाड़ की सेना थी। क्योंकि मुगल सेना को पहाड़ी ईलाके में युद्ध लड़ने का बिलकुल भी अनुभव नही था। पहाडियों पर रहने वाले भील भी राणा प्रताप की सेना के साथ हो गये। महाराणा प्रताप खुद जंगलो में रहने लगे ताकि वो जान सके कि स्वंत्रतता और अधिकारों को पाने के लिए कितना दर्द सहना पड़ता है। उन्होंने पत्तल पर भोजन किया, जमीन पर सोये और दाढी नही बनाई। दरिद्रता के दौर में वो कच्ची झोपडियो में रहते थे जो मिटटी और बांस की बनी होती थी।

18 जून 1576 को महाराण प्रताप के 20 हजार और मुगल सेना के 80 हजार सैनिको के बीच हल्दीघाटी का युद्ध शुरू हो गया। उस समय मुगल सेना की कमान अकबर के सेनापति मान सिंह ने संभाली थी। महाराणा प्रताप की सेना मुगलों की सेना को खदेड़ रही थी। महाराणा प्रताप की सेना में झालामान, डोडिया भील, रामदास राठोड़ और हाकिम खा सूर जैसे शूरवीर थे। मुगलों के पास तोंपे और विशाल सेना थी। लेकिन प्रताप की सेना के पास केवल हिम्मत और साहसी जांबाजो की सेना के अलावा कुछ भी नही था। महाराणा प्रताप के बारे में कहा जाता है कि उनके भाले का वजन 80 किलो और कवच का वजन 72 किलो हुआ करता था। इस तरह वह भाला, कवच, ढाल और तलवारों को मिलाकर कुल 200 किलो का वजन साथ लेकर युद्ध करते थे।

इतिहासकार कर्नल टॉड ने हल्दी घाटी के युद्ध को मेवाड़ की थर्मोपल्ली की संज्ञा दी है। इस युद्ध में महाराणा प्रताप का स्वामी भक्त एवं प्रिय घोड़ा चेतक मारा गया। हल्दी घाटी के युद्ध में पराजय के बावजूद महाराणा प्रताप के यश और कीर्ति में कोई कमी नहीं आई। बल्कि हल्दी घाटी को इस युद्ध ने समूचे भारत के स्वाधीनता प्रेमियों के लिए पूजनीय क्षेत्र बना दिया। वहीं इस युद्ध ने महाराणा प्रताप को जननायक के रूप में सम्पूर्ण भारत में प्रसिद्व कर दिया।

हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के जीवन में जिस संकट काल का प्रारंभ हुआ वह लगभग दस वर्ष (1576-1586) तक चला और बीतते समय के साथ वह अधिक विषम होता चला गया। इस दौरान गोगुन्दा से दक्षिण में स्थित राजा गांव में महाराणा के परिवार को घास की रोटी भी नसीब नहीं हुई और एक बार वन विलाव उनके भूखे बच्चों के हाथ से घास की रोटी भी छीन कर ले गया था।

इस संकट के समय में महाराणा प्रताप के मंत्री भामाशाह और उनके भाई ताराचंद ने 25 लाख रूपए तथा 20 हजार स्वर्ण मुद्राएं उनकों भेंट कर अपनी स्वामी भक्ति का परिचय दिया। इस धन से उन्होंने पुनः सेना जुटाकर दिवेर को जीत लिया और चांवड पंहुचकर अपना सुरिक्षत मुकाम बनाया। मेवाड़ के बचे हुये भू भाग पर फिर से महाराणा का ध्वज लहराने लगा। बांसवाडा और डूंगरपुर के शासकों को भी पराजित कर प्रताप ने अपने अधीन कर लिया। अकबर के आक्रमक अभियानों की समाप्ति के बाद मेवाड़ में नए युग का सूत्रपात हुआ। महाराणा प्रताप ने एक वर्ष में ही चितौड़गढ़ और जहाजपुर को छोडकर सम्पूर्ण मेवाड़ पर सत्ता कायम कर ली। उन्होंने चांवड को अपनी राजधानी बनाकर राज्य में शांति व्यवस्था कायम की।

महाराणा प्रताप कुशल शासक होने के साथ-साथ पीडितों और विद्वानों का आदर भी करते थे। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड मे चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी महाराणा प्रताप ने ही करवाया था। उनके दरबार में कई विख्यात चारण कवि थे। जिनमें कविवर माला सांदू और दुरासा आढा ने उनकी प्रंशंसा में उच्च कोटि की काव्य रचना की। सादड़ी में जैन साधू हेमरत्न सूरि ने गोरा बादल-पद्मिनी चौपाई की रचना भी महाराणा प्रताप के समय ही की थी। महाराणा प्रताप ने चावंड को चित्रकला का केन्द्र बनाकर नई चित्र शैली मेवाड शैली का प्रारम्भ करवाया था।

महाराणा प्रताप ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में अपने पहले पुत्र अमर सिंह को सिंहासन पर बैठाया। महाराणा प्रताप शिकार के दौरान बुरी तरह घायल हो गये और उनकी 56 वर्ष की आयु में मौत हो गयी। उनके शव को 29 जनवरी 1597 को चावंड लाया गया। इस तरह महाराणा प्रताप इतिहास के पन्नो में अपनी बहादुरी और जनप्रियता के लिए अमर हो गये।

रमेश सर्राफ धमोरा

सेहतमंद भी रहें गर्मियों में

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: गर्मियों हमारे शरीर को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। इस मौसम में बाहरी तापमान बढ़ने से हमारे शरीर का ताप भी बढ़ जाता है इसलिये हमें ऐसे भोजन का सेवन करना चाहिए जो हमें ठंडा रखे। गर्मियों में पाचन तंत्र कमजोर पड़ जाता है इसलिये ताजा और हल्का भोजन करें और तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। तापमान बढ़ने से संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है इसलिये इस मौसम में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। शरीर में पानी की कमी ना होने दें।

गर्मियों में क्या खाएं

मौसमी फल और सब्जियों का सेवन अधिक मात्रा में करें। गर्मियों में मिलने वाली सब्जियां मुलायम त्वचा वाली, गूदेदार और नमी से भरपूर होती हैं जो इस मौसम के लिहाज़ से बिल्कुल उपयुक्त है। ये सभी सब्जियां ठंडी, पचने में आसान और उन सभी पोषक तत्वों से भरपूर होती है जो इस गर्म और आर्द्र मौसम से शरीर को तालमेल बैठाने के लिए जरूरी हैं। लौकी, करेला, तोरी, कद्दू, खीरा, टिंडा, परमल, भिंडी चौलई जैसी गर्मियों की सब्जियों का सेवन करें।

खीरा, पुदीना, संतरा, तरबूज, मौसंबी का सेवन भी करें, ये प्यास बुझाने वाले होते हैं क्योंकि इनमें सेडियम और कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और एंटी ऑक्सीडेंट, कैल्शियम और विटामिन ए काफी मात्रा में होते हैं। ये सब मिलकर इन्हें अच्छा कूलेंट बना देते हैं। इसके अलावा आम और दही भी कूलिंग भोज्य पदार्थ हैं इनमें पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है जिससे शरीर में पानी का सामान्य स्तर बना रहता है।

खाने के साथ सलाद जरूर खाएं; कच्ची सब्जियों से जरूरी एंजाइम मिलते हैं जो शरीर को भोजन से पोषक तत्वों का अवशोषण करने में मदद करते हैं। शरीर जितने पोषक तत्वों का अवशोषण करेगा उतना ही स्वस्थ्य रहेगा। सलाद फायबर से भरपूर होने के कारण हमारे पाचन तंत्र को भी दुरूस्त रखता है।

क्या ना खाएं

§ कैफीन। इससे डिहाइड्रेशन बढ़ता है। कैफीन सिर्फ चाय, कॉफी में ही नहीं कईं कोला ड्रिंक, पेन कीलर और एनर्जी ड्रिंक्स में भी होता है।
§ अधिक वसा युक्त और भारी भोजन।
§ तले हुआ और मसालेदार भोजन।
§ बासी और गंदगी से बना खाना।
§ प्रोसेस्ड और डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ।
§ बेकरी उत्पाद।
§ मिठाईयां।

गर्मियों में बढ़ा दें तरल पदार्थों का सेवन

गर्मियों में हमारे शरीर को काम करने के लिए उष्मा की आवश्यकता बहुत कम मात्रा में होती है इसलिए इस मौसम में हमें खाना कम खाना चाहिए और तरल पदार्थों का सेवन अधिक करना चाहिए। गर्मियों में हमें अपने भोजन को खाना नहीं पीना चाहिए। रोजाना तीन से चार लीटर पानी पिएं। इसके अलावा जूस, छाछ, लस्सी, नींबू पानी, नारियल पानी और आम पना का सेवन भी करें लेकिन डिब्बा बंद जूस का सेवन करने से बचें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

§ बचे हुए खाने को ज्यादा समय तक रेफ्रिजरेटर के बाहर न रखें। दोबारा सेवन करने से पहले ठीक तरह से गर्म कर लें।
§ एक्सपाइरी डेट के खाद्य पदार्थों का सेवन कतई न करें।
§ उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिएं।
§ आवश्यकता से अधिक खाना ना खाएं।
§ लंच में या शाम के स्नैक्स के समय सलाद खाना अच्छा रहता है। रात के समय अधिक मात्रा में सलाद खाने से गैस की समस्या हो जाती है।
§ सड़क किनारे लगी रहड़ियों और ढाबों पर न खाएं क्योंकि इस प्रकार के भोजन से संक्रमण का खतरा अधिक होता है।
§ कच्ची सब्जियों और फलों को ठीक प्रकार से धोकर इस्तेमाल करें।

उमेश कुमार सिंह

वृक्षों का उपचार किया जाना आवश्यक

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: प्राचीन वृक्षों को जो अंदर से पोले या गिरने की कगार पर हो उसका उपचार भी किया जाना चाहिए। वर्षा ऋतू में तेज हवा आंधी से कमजोर वृक्ष गिर जाते उनका उपचार किया जाए व ध्यान रखा जाए| ताकि जानमाल की हानि से बचा जा सकें| बरगद का पेड़ लगाए जाए क्योंकि इसकी आयु कई वर्ष होती है| पशु पक्षियों और इंसानों के लिए ये घना वृक्ष छाँव के साथ सुखद आसरा प्रदान करता है| इसके लगाने से प्रतीक्षालय बनाने के खर्चे का भार भी कम होगा| वृक्षारोपण करने के साथ पौधों की देखभाल भी आवश्यक है| वृक्षों को प्राचीन समय से लोग पूजते आ रहे है, इसके पीछे भीषण गर्मी मे ठंडी सुखद छाँव प्राप्त होना, शुद्द हवा, उदर-पोषण, सांसारिक जीवन के अंतिम पड़ाव में दाहसंस्कार में उपयोगी बनना, पृथ्वी के तापमान को कम व् वर्षा के बादलों को अपनी और आकर्षित कर वर्षा कराना (उदाहरण-चेरापूंजी), दैनिक जीवन की आवश्यकता की आर्थिक रूप से पूर्ति करना एवं ईश्वर के रूप मनोकामनाओं का आशीर्वाद देना ही पेड का कर्तव्य है| फिर भी लालची इन्सान पेड को काटने हेतु अपने स्वार्थ को सिद्द करने मे लगा रहता है| राजस्थान के डूंगरपुर जिले के हर गांव में अब सबसे पुराने पेड़ को जननी वृक्ष का दर्जा दिए जाने की वृक्ष के सम्मान में प्रशंसनीय पहल की गई है। वृक्षो की सुरक्षा और इनकी देखभाल इस योजना में बरगद, खेजड़ी पीपल, आम, महुआ, नीम, सेमल, गुलर, समोलश्री, रायणी, अर्जुन, इमली, कल्पवृक्ष आदि को (मदर ट्री) जननी के रूप में चयन किया गया है। ऐसी योजना हर प्रदेश में लागू होना चाहिए मिट्टी के कटाव रोकने हेतु नदी के तट पर फलदार वृक्ष ज्यादा मात्रा में लगाया जाना चाहिए प्राचीन वृक्षों को जो अंदर से खोखले या गिरने की कगार पर हो उसका उपचार भी किया जाना चाहिए। नए पौधरोपण इस तरह करें ताकि बड़े होने पर उसे काटा ना जा सके| पौधारोपण करते समय उसकी सुरक्षा का इंतजाम पहले से करे। यदि हो सके तो अपनों की स्मृति में या उसे गोद लेकर पौधारोपण का संकल्प लेवे तो ये पुनीत कार्य सफल सिद्ध होगा| वृक्षों से ही जंगल, पहाड़ो का सोंदर्य है| वृक्ष ही इन्सान के मददगार एवं अंतिम पड़ाव तक का साथी होता है व पशु, पक्षियों को आसरा होता है| नासा के वैज्ञानिकों ने पिछले वर्षो के वैश्विक तापमान का मासिक विश्लेषण भी किया। मौसमों में ज्यादा बदलाव यानि अधिक गर्मी के करीब पहुँचना चिंतनीय सवाल खड़े करता है। क्या मौसम के निर्धारित माह अपने माह को आगे बढ़ा रहे है? पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि पर्यावरण मे बदलाव का बुरा असर लकड़ी पर भी हो रहा है| उसकी प्रकृति बदल रही है और उससे बनने वाले वाद्ययंत्रों मे वो मधुर स्वर नहीं पायेगे, जो पहले पाते थे। ये एक चिंता का विषय है| पर्यावरण मे बदलाव को सुधारने हेतु कारगर कदम उठाना होगा, इस हेतु वृक्षारोपण ज्यादा करे एवं हरे भरे वृक्षों को कटने ना दे| ताकि वाद्ययंत्रों मे वो मधुर स्वर और ऋतु चक्र सही हो सके| पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ तो हमें करना होगा| जितने अधिक वृक्ष होगें वातावरण उतना ही शुद्ध एवं स्वच्छ होगा| वृक्षों होने से वन्य प्राणियों की जीवन सुखद होगा| भविष्य मे हरित क्रांति को विलुप्त होने से बचाने हेतु वर्षा ऋतु के समय वृक्षारोपण के पुनीत कार्य में भागीदारी निभाने की सोच विकसित करें|

संजय वर्मा 'दृष्टि'

बेचारा पाकिस्तान "घर में घुसकर मारेंगे" वाले बयान से भयंकर रूप से चिढ़ गया है

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने अपने एक संबोधन में कश्मीर राम मंदिर ज्ञानवापी मस्जिद धार भोजशाला सहित अपने देश में हो रही टारगेट कीलिंग का मुद्दा उठाया। इसके अलावा पाकिस्तानी राजदूत ने लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री के उस वक्तव्य का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि यह आज का भारत है जो दुश्मन के घर में घुसकर मारता है तब फिर जवाब में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने मुनीर के बयानों को दरकिनार कर दिया एवं कहा कि आतंकवाद शांति की संस्कृति और सभी धर्मों की उन मूल शिक्षाओं का विरोधी है एवं जो करुणा समझ और सह अस्तित्व की वकालत करते हैं उनके बीच झगड़े के बीज बोता है, शत्रुता पैदा करता है सम्मान सद्भाव के उन मूल्यों को कमजोर करता है जो दुनिया भर में सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का आधार है। रुचिरा कंबोज ने पाकिस्तान को सुनाते हुए यह भी कहा कि हम उस प्रतिनिधि को सम्मान और कुटनीतिक के उन सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे जिन्हें हमेशा हमारी चर्चाओं का मार्गदर्शन करना चाहिए या फिर क्या उस देश पाकिस्तान से यह अपेक्षा करना बहुत ज्यादा है जिसका खुद सभी पहलुओं पर सबसे खराब एवं संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड है, जबकि महात्मा गांधी का अहिंसा का सिद्धांत शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का आधार बना हुआ है, यही कारण है कि भारत पीड़ितों एवं दुखियों को अपने यहां शरण देता है जबकि पाकिस्तान तो अपने देश के अल्पसंख्यकों को न केवल कष्ट देता है बल्कि उनके धार्मिक स्थलों को भी तोड़ता है। कह सकते हैं कि गिरजाघरों, मठों, गुरुद्वारों मंदिरों जैसे पवित्र स्थलों पर बढ़ते हुए हमले आज पाकिस्तान की पहचान बन गए हैं। अतः ऐसे कृत्यों के खिलाफ वैश्विक समुदाय को तुरंत एवं एकजुट होकर अपनी प्रतिक्रिया अवश्य देना चाहिए एवं पाकिस्तान के खिलाफ अवश्य ही ऐसा कोई कठोर कदम उठाना चाहिए ताकि गृह युद्ध से ग्रसित पाकिस्तान का कुछ उद्धार हो सके। कारण आज कंगाली एवं बेरोजगारी के कारण समूचे पाकिस्तान में एक आग सी लगी हुई है। कहने को तो आज पाकिस्तान में शाहबाज सरकार चल रही है परंतु उसके बस में आज कुछ भी नहीं है तथा पूरे पाकिस्तान में गृह युद्ध जैसे हालात बन गए हैं, विशेष करके इन दिनों पाक अधिकृत कश्मीर की हालत तो जैसे सबसे ज्यादा खराब है यहां पर भी महंगाई चरम सीमा पर है तथा आजकल पीओके की जनता सबसे ज्यादा आज पाकिस्तान सेना से दुखी एवं परेशान है तथा उसका इन दिनों पूरे पीयोके से पूरी तरह से बाय काट करना चाहती है।

एमएम राजावतराज
शाजापुर

फिल्मी दुनिया का सुनना- समझना एक दिलचस्प किस्सा

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: सन् १९७१ में देव आनंद एक फिल्म का निर्माण कर रहे थे जिसका निर्देशन भी खुद ही कर रहे थे। फिल्म का नाम था 'प्रेम पुजारी'। इसका संगीत दिया था सचिव देव बर्मन ने। है तो ये किस्सा एक लोकप्रिय गीत का पर साथ ही साथ यह किस्सा संगीतकार सचिन दा के सरल मन, एक सीधे सच्चे और साफगोई इन्सान की तस्वीर भी पेश करता है। और गीत लिखने के लिए देव आनंद मौका दे रहे थे कवि-गीतकार गोपालदास नीरज को। क्योंकि देव आनंद ने कभी उनसे कह रखा था कि वे अपनी फिल्म में गीत लिखने का मौका जरूर देंगे। नीरज जी की बतौर गीतकार यह पहली फिल्म थी। इसलिए देव साहब उन्हें लेकर बर्मन दा के पास ले गए और बर्मन दा से बोले दादा, "इस फिल्म में गीत नीरज जी लिखेंगे।"

गीत रचना की बैठक में बर्मन दा नीरज जी से बोले, "ठीक है, मैं तुम्हें गाने की सिचुएशन और धुन देता हूं उसमें तुम्हें गीत लिखना है पर ध्यान रहे गीत में 'रंगीला' शब्द जरूर होना चाहिए।" यह शर्त एक तरह से नीरज जी के लिए 'प्रेम पुजारी' में गीत लिखने की

परीक्षा जैसी थी इसमें सफल होने पर ही वे फिल्म में बतौर गीतकार प्रवेश पा सकते थे। नीरज जी ने समय लिया और गीत लिखकर लाए जिसके बोल थे- 'रंगीला रे तेरे रंग में यूं रंगा है मेरा मन...' गीत देखकर सचिन दा खुश हुए और बोले, "नीरोज, तुमने बहुत आच्छा लिखा है। असल में मैं तुम्हें फिलीम से निकालना चाहता था। इसलिए तुमको ऐसा शर्त दिया।"

इस तरह कवि नीरज गीतकार नीरज बने। दरअसल उनकी टीम के नियमित गीतकार मजरूह सुलतानपुरी हुआ करते थे । और बर्मन दा चाहते थे कि किसी बहाने नीरज को अयोग्य करार दे दिया जाए तो मजरूह को फिल्म में बतौर गीतकार काम दिलाया जा सकता है। यह बात सचिन दा ने खुद ही बिना लाग लपेट के नीरज जी से कहकर अपने सीधे सच्चे और भोले इंसान होने का परिचय दिया। और इस वाकये का जिक्र टीवी पर खुद शायर-गीतकार मजरूह सुलतानपुरी ने किया था। तो ऐसे थे महान स्वर्गीय संगीतकार सचिन देव बर्मन।

यहां मैं, जिन्हें मालूम नहीं है उनके लिए ये जानकारी भी दे दूं कि महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंडुलकर के माता-पिता संगीतकार सचिन देव बर्मन के बहुत बड़े प्रशंसक थे, इसलिए उन्होंने अपने बच्चे के पैदा होने पर उनके नाम पर सचिन रखा। तो इस तरह महान खिलाड़ी मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का नाम संगीतकार सचिन देव बर्मन के नाम से आया है।

'प्रेम पुजारी' के लगभग सारे गीत खूब पसंद किए गए फिल्म की सफलता में गीत-संगीत का भी भरपूर योगदान रहा। इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा भी एक। छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद तो नीरज ने बेहतरीन गीतों की झड़ी लगा दी। उनके लिखे गीतों में 'लिखे जो खत तुझे....: (कन्यादान), 'आदमी हूं आदमी से प्यार करता हूं...'(पहचान), 'ए भाई जरा देख के चलो...' (मेरा नाम जोकर), 'काल का पहिया घूमे रे भैया...' (चंदा और बिजली), ''फूलों के रंग से दिल की कलम से,...' (प्रेम पुजारी), खिलते हैं गुल यहां...' शर्मीली), जैसे शानदार गीत लिखे और फिल्मी गीतों के खजाने को मालामाल किया।

अब आज का किस्सा यही पूरा होता है फिर भेंट होगी आप सब व्यस्त रहें, स्वस्थ रहें और मस्त रहें धन्यवाद।

श्याम कुमार राई 'सलुवावाला'

संस्कारों की जननी है माँ

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: लाल जोड़े में घर की दहलीज़ लांघकर जब बेटी अपने नए घर जाती है, तो माँ के संस्कार, उनकी सीख के साथ लजीज पकवान बनाने की ढेरों विधियां भी चुपके से उसके साथ हो लेती है| माँ जैसे फिर से नवविवाहिता बन जाती है| बढ़ती बेटी माँ को सहेली सी लगती है| अपने बचपन की सहेलियों की बातें, अपनी माँ और परिवार की बातें, ससुराल का संघर्ष सबकुछ माँ अपनी बेटी से बांटती है| कई सालों पहले एक फिल्म आई थी, जिसमें माँ अपनी बेटी से कहती है कि जब वो पैदा हुई तो उसने वादा किया था कि मेरी बेटी मेरी तरह अपने सपनों को नही मारेगी| माँ की ये सोच आज भी प्रासंगिक है| अपने अधूरे सपने वो अपनी बेटी की आँखों में रखती है| अपने पंखों को नोचकर वो अपनी बेटी को ऊँची उड़ान देना चाहती है|

माँ ने सभ्यताओं को पाला है| मीलों दूर से मटकों में पानी लाकर धुएँ से भरे चूल्हे में मीठी रोटियाँ पकाई हैं| माँ ने ही रीति-रिवाजों, संस्कारों को अपनी बेटियों को सौप कर संस्कृति को जिन्दा रखा है| यूट्यूब शॉर्ट्स और रील्स में ऐसे ढेरों वीडियों हैं, जो माँ और बच्चों के सम्बन्ध को मजाकिया अंदाज में प्रस्तुत करते हैं| खूब लाईक और व्यूज़ बटोरते हैं| माँ का व्यवहार और उनकी बातें हम आधुनिक पीढ़ी को क्यों मजाकिया लगती हैं? हम क्यों माँ की बातों को गंभीरता से नहीं लेते?

माँ एक ऐसी मासूम प्राणी है, जो अंतिम सांसों तक हमें प्यार करती है, हमारी सेवा-चाकरी करती है, पर एक समय बाद जीवन में वही सबसे अकेली पड़ जाती है| अपनी माँ को जब याद करती हूँ तो दिखाई देती है एक नाजुक सी लड़की, अपनी घर गृहस्थी और जिम्मेदारियों में पिसती, सबको खुश रखने की चाहत में अपनी ख़ुशी भूलती हुई एक नवयौवना| हम अक्सर माँ को ठगते हैं, हम उन्हें उनकी दुआओं के बदले थोड़ा सा सम्मान भी क्यों नहीं दे पाते?

माँ रोज मुझे स्कूल छोड़ने जाती थी। मैं उन्हें मुड़कर तब तक देखती रहती जब तक वो अदृश्य न हो जाती। माँ को मैंने तब भी कुछ इसी तरह देखा था जब नर्स उन्हें जल्दी-जल्दी आई.सी.यू. के अंदर ले गई थी। मैं उन्हें एकटक देख रही थी। कुछ देर बाद उनका हाथ और चेहरा मुझे पतली सी पारदर्शी नलियों से घिरा दिखा। वो दृश्य देखकर ऐसा लगा मानो मेरे हृदय का सारा रक्त सूख गया हो। माँ को एक नाम दिया गया- बेड नम्बर सोलह।

एक रात एक वार्ड बॉय जोर से चिल्लाया – "बेड नंबर सोलह के साथ कौन है?" मैं उठ कर जैसे ही खड़ी हुई, उसने बिलकुल सहजता से कहा- "आप अंदर आ जाइये वो कुछ मिनट पहले गुजर गई।" माँ जा चुकी थीं। मैं वैसे ही चुपचाप खड़ी रही, जैसे स्कूल के दिनों में छुट्टी होने के बाद उनके इन्तजार में खड़ी रहती थी, पर अब मुझे पता था कि माँ कभी नहीं आने वाली।

समाज की धारा में बहना मुझे कभी पसंद नहीं रहा। माँ के अंतिम संस्कार में जब मैं शामिल हुई तो कई रिश्तेदार मुँह खोलकर मुझे देखने लगे और अंतिम बार जब अपने भाई और पिताजी के साथ कांधा दिया तो खुस-फुस शुरू हो गयी। दूसरे दिन माँ के फूल भी मैंने ही चुने जिसका मुक्तिधाम वालों ने मुँह बिचकाकर, बड़बड़ाकर, घूरकर विरोध किया कि अस्थियों को केवल पुरुष ही चुन सकता है| मैंने कोई परवाह नहीं की और इस सड़े नियम को उसी समय जला दिया। उनके फूल को भैया हरिद्वार ले गए। दो दिन बाद फोन आया माँ के फूल हरिद्वार में विसर्जित कर दिए है सब कुछ ठीक से हो गया| मैंने जैसे ही फोन रखा माँ की एक पुरानी बात कानों में गूंज गई "बेटा बोलते है हरिद्वार जाओ तो एकदम शांति लगती है पता नहीं मैं कभी हरिद्वार जा पाऊँगी की नहीं"

माँ चुपके से अपनी बेटी में समा जाती है| उम्र के पायदान पर चढ़ते-चढ़ते वो बेटी से भीतर ही भीतर बतियाती है| सच कहूँ तो माँ आज भी मेरे मन में रोज मुझसे बातें करती है| माँ कभी नहीं जाती, कहीं नहीं जाती| अपनी बेटी से हमेशा माँ बोलती है|

डॉ. मिताली खोड़ियार
रायपुर, छत्तीसगढ़

भारत के त्रिकालदर्शी सन्त उमाकान्त जी महाराज की पूरे विश्व के लोगों से प्रार्थना-अभी शाकाहारी हो जाओ तो बहुत से जीवो की बच जाएगी जान

भविष्य में वैचारिक क्रांति या शासन की शक्ति नहीं तो कुदरत जब शक्ति करेगी तो मजबूरन अंडा, मछली, मांस, शराब छोड़ेंगे

कोलफील्ड मिरर 08 मई (मुरादाबाद/उ.प्र): वक़्त के पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि कोई मांस खाते हो, मत खाना। आप अगर खाना बंद कर दोगे जो जानवर आपकी (मांस की मांग की) पूर्ति करने के लिए कटेगा, उसकी जान बच जाएगी। पूरे विश्व को लोग अभी शाकाहारी हो जाएं। (नहीं तो) आगे चल करके मजबूरन होंगे। वैचारिक क्रांति (होगी जिससे) समझाने पर बदलेंगे, नहीं बदलेंगे तो शासन की सख्ती होगी तब वह बदल जाएंगे। नहीं तो कुदरत बदलेगी। आप खोजोगे तो इसी (भक्तों की आई हुई भारी भीड़)में मिल जाएंगे जो दस-दस क्विण्टल मछली खा करके बैठे हैं लेकिन समझ में

आ गया छोड़ दिए जाएंगे।

जब कोरोना बीमारी फैली बहुत लोग मांस खाना कर दिए थे बंद

जब बीमारी फैली, कोरोना आया तब लोग मांस जल्दी नहीं खा रहे थे क्योंकि डॉक्टर लोगों ने कह दिया, मांस खाने की वजह से हुआ है। मुर्गियों की बीमारी चली तो कहो मुर्गा खाओगे? तब कहते थे तौबा-तौबा, राम-राम बोलो। मुर्गा का नाम मत लो। परिस्थितिया ऐसी आती हैं कि आदमी को बुराई छोड़ना ही पड़ जाता है। भविष्य में छोड़ना ही पड़ेगा लेकिन अभी आप छोड़ दोगे तो बहुत से जानवरों को जान बच जाएगी। दया धर्म तन बसे शरीरा। ताकर रक्षा करें रघुवीरा। बिस्मिल्ला रहमान ए रहीम, कहा गया वह रहमान दयावान है दयाबंधु है उसी के बनाए सारे जीव हैं।

जीव आपने काटा या आपकी वजह से काटा गया उसका बदला देना पड़ेगा

जीव मनुष्य शरीर पाने की कीमत नहीं समझ पाता है, खाने पीने, मौज-मस्ती में समय को निकाल देता है तब सजा जब मिल जाती है। तब इन्ही योनियों में, मुर्गा भैंसा बकरा आदि के योनि में डाल दिया जाता है। जो गल काटे और का अपना रहा कराय, साहब के दरबार में बदला कहीं न जाय। आपने काटा या आपकी वजह से काटा उसका बदला देना पड़ेगा।

डीसीएलआर ने किया रेफरल अस्पताल का निरीक्षण, दिये कई निर्देश

कोलफील्ड मिरर 07 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: रेफरल अस्पताल में जिलाधिकारी के प्रतिनिधि व कहलगाँव भूमि सुधार उप-समाहर्ता सरफराज नवाज ने अस्पताल में रोगियों को दी जानेवाली सुविधाओं का निरीक्षण किया। वहीं उन्होंने निरीक्षण के क्रम में ओपीडी, दवा वितरण कक्ष सहित अस्पताल परिसर के विभिन्न जगहों का घूमघूम कर निरीक्षण किया व आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ०सुकेश कुमार, डॉ०कृष्ण कुमार, लेखापाल समीर भदौरिया, बीसीएम मोबिन अहमद व अन्य कर्मी उपस्थित थे।

शोभा सचान के दोहा संग्रह ''कमल फूल उर-वेग के'' का लोकार्पण

डॉ.शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 08 मई (नई दिल्ली): अखिल भारतीय साहित्य परिषद गाजियाबाद नगर इकाई के तत्वावधान में अमित थिएटर में कवि सम्मेलन एवम पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और प्रसिद्ध कवयित्री ममता लड़ीवाल की सुमुधर मां सरस्वती की वंदना से हुआ। समारोह की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय कवि व दोहाकर दिनेश रघुवंशी ने की, अतिथि के रूप में अंतर राष्ट्रीय ख्यातीनाम कवयित्री डॉ. रमा सिंह, डॉ.चेतन आनंद, डॉ. मनोज कामदेव, प्रेम सागर उपस्थित रहे।

तत्पश्चात परिषद की गाजियाबाद इकाई के अध्यक्ष बी.एल. बत्रा अमित्र ने सभी अतिथियों को माल्यार्पण, पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र तथा तुलसी के पौधे भेंट कर सम्मान किया।इस मौके पर डा. चेतन आनंद जी के सहयोग से 'देव प्रभा प्रकाशन' द्वारा प्रकाशित सुप्रसिद्ध कवयित्री शोभा सचान जी के दोहा -संग्रह ''कमल फूल उर-वेग के'' का लोकार्पण अतिथियों ने किया।

इसके पश्चात एक के बाद एक शायर एवं शायराओं ने अपनी बेहतरीन रचनाओं की शानदार प्रस्तुति दे कर कार्यक्रम में समा बांध दिया। कवि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय दोहाकार दिनेश रघुवंशी, डॉ. रमा सिंह, डॉ. चेतन आनद (महासचिव मेरठ मंडल), प्रेम सागर प्रेम जी , डॉ.मनोज कामदेव, बी.एल. बत्रा अमित्र, शोभा सचान, प्रोफेसर (डॉ.) कमलेश संजीदा, डॉ. तुलिका सेठ, अरुण शर्मा साहिबाबादी, ममता लड़ीवाल, मनीषा जोशी, ज्योति किरण राठोर, डॉ. सुरुचि सैनी, गार्गी कौशिक, डॉ. सुधीर त्यागी, प्रशांत कुमार, राजेश प्रभाकर, भूपेंद्र राघव, पूजा श्रीवास्तव, वैशाली मित्त, संगीता अहलावत, सीमा पटेल, डॉ. निवेदिता शर्मा, पूनम सागर ने शानदार रचनाओं की प्रस्तुति दे कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। बी.एल.बत्रा जी की ग्रांड डाटर, छोटी सी गुड़िया ने काव्यपाठ कर सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर समारोह में उपस्थित प्रबुद्ध श्रोताजनों में महेश कुमार आहूजा (संरक्षक), पारस सचान, मोती राम शर्मा, पवी सचान, प्राची सचान, संजय दाधीच एवं निति अग्रवाल सहित काफी संख्या में उपस्थित थे। अंत में अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, गाजियाबाद के अध्यक्ष बी. एल. बत्रा अमित्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विभिन्न थानों में जब्त भारी मात्रा में शराब का किया गया विनिष्टिकरण

कोलफील्ड मिरर 08 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: पुलिस अंचल क्षेत्र के बाखरपुर, पीरपैंती, बुद्धुचक, ईशीपुर व शिवनारायणपुर थाने से जब्त शराब का प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी व आबकारी विभाग के पदाधिकारीयो की मौजूदगी में विनिष्टिकरण किया गया। कहलगाँव उत्पाद विभाग के थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि पीरपैंती थाना के 05, ईशीपुर बाराहाट 07, बाखरपुर 10, शिवनारायणपुर 03 एवं बुद्धूचक थाने के 03 कुल 28 कांडों में देशी 439. 25 लीटर एवं विदेशी 671.15 लीटर कुल 1,110.40 लीटर शराब का विनिष्टिकरण किया गया।

विश्व एथलेटिक्स दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

कोलफील्ड मिरर 08 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के गोपालिचक में विश्व एथलेटिक्स दिवस के अवसर पर खेल कूद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे 100 मीटर रेस बालक वर्ग में प्रथम स्थान गुलरेज, द्वितीय स्थान पर राहुल, तृतीय स्थान पर करन रहे।

बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर काजल, द्वितीय स्थान पर मोनी, तृतीय स्थान पर रिया रही।वहीं गोला फेंक बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर अजय, द्वितीय स्थान पर राहुल, तृतीय स्थान पर उत्तम रहे। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर सोनाक्षी, द्वितीय स्थान पर अन्नू, तृतीय स्थान पर सिमरन रही।

वही कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका सर्वोत्तम कुमार शर्मा, अंकज मंडल, नीतीश कुमार ने निभाई तो कार्यक्रम का शुभारंभ और पुरस्कार वितरण शिक्षक सिकंदर यादव, मुकेश यादव, अरुण मंडल, विद्यानंद सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने किया।

सेल्फ मेकअप वर्कशॉप के साथ हुई वीमेन समर कैम्प की ग्रैंड ओपनिंग

कोलफील्ड मिरर 08 मई (नरसिंहपुर): समर कैम्प का जिक्र हो तो जेहन में केवल बच्चे ही नजर आते लेकिन, काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह एवं नमिता जनोरिया ने नवाचार करते हुए इसे एक अलग ही रंग दे दिया। उन्होंने नगर में पहली बार गर्ल्स एंड वीमेन के लिए समर कैम्प का आयोजन करने का न केवल विचार किया बल्कि, उसे साकार रूप भी दिया क्योंकि, गर्मियों में बच्चों के लिए तो सभी इसे आयोजित करते हैं परन्तु, लड़कियों व महिलाओं के लिए इस तरह का कोई भी कार्यक्रम नहीं किया जाता है। इस उद्देश्य से उन्होंने महिलाओं को इस गर्म मौसम में ठंडक का अहसास देने के लिए उनकी रुचि को देखते हुए उनकी मनपसन्द की विधाओं को समेटकर वीमेन समर कैम्प की योजना बनाई। जिसमें हेयर स्टाइल, नेल आर्ट, रंगोली, मेहंदी, साड़ी पहनने की विभिन्न स्टाइल, अलग- अलग शर्बत व केक बनाने की विधियां, फायरलेस कुकिंग जैसी घरेलू व व्यक्तिगत उपयोग की विधाओं को शामिल किया।

इस अनोखे समर कैम्प का महा-शुभारम्भ सेल्फ मेकअप की कार्यशाला के साथ किया गया जिसमें नगर की जानी-मानी मेकअप आर्टिस्ट मंजरी नेमा ने अपने रोचक अंदाज में मुक्ति राय को मॉडल बनाकर उनके चेहरे पर अलग-अलग मेकअप प्रोडक्ट्स की विशेषताएं व उनके उपयोग बताते हुए उसे इस्तेमाल किया। इस बीच उपस्थित महिलाओं ने उनसे सौंदर्य प्रसाधनों व समस्याओं को लेकर प्रश्न भी किये जिनका सौंदर्य विशेषज्ञ मंजरी नेमा द्वारा सटीक जवाब दिया गया। इसके साथ ही सम्पूर्ण मेकअप की बारीकियों को भी बताने का प्रयास किया जिससे कि महिलाएं मेकअप के दौरान अक्सर जो गलतियां करती उसे सुधार सके और मौकों के अनुकूल अपने आपको घर पर ही तैयार कर सकें।

समर कैम्प के शुभारम्भ के अवसर पर कलात्मक वस्तुओं की सृजनकर्ता रजनी साहू भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं व इस सुरुचिपूर्ण सत्र में माननीय श्रीमती संध्या कोठारी, सुनंदा भट्ट, ज्योति चौहान, डॉ राजश्री पटेल, सुमन शर्मा, कविता दुबे, गजाला खान, तरन्नुम खान, रचना त्रिवेदी, शीतल, स्वीटा ओसवाल, नीता ढिमोले, नीता भारद्वाज, भावना बुलवानी, शिखा साहू, रक्षा पालीवाल, सविता महोबिया, गायत्री शर्मा, निमिषा पचौरी, अंकिता जुनेजा, कृष्णकांता चौधरी, जया विश्वकर्मा, आरती सिंह, प्रीति गोस्वामी, शालू भाटिया, अनामिका धाकड़, रानू श्रीवास्तव, तनु दुबे, साक्षी साहू, कीर्ति प्रजापति आदि की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

जिला अनुश्रवण पदाधिकारी ने त्रैमासिक आंकड़े का किया समीक्षा, दिये कई निर्देश

कोलफील्ड मिरर 08 मई (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: रेफरल अस्पताल में जिला अनुश्रवण पदाधिकारी अंश मिश्रा के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम द्वारा अस्पताल में रोगियों को दी गई सुविधाओं से सम्बंधित त्रैमासिक आंकड़ा का समीक्षा किया गया। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० सुकेश कुमार, लेखापाल समीर भदोरिया, बीसीएम मोबीन अहमद, सभी डाटा ऑपरेटर व प्रखंड के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत एएनएम उपस्थित रही।

विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार की तालाबंदी कर कुलपति को सौंपा ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 08 मई (नवलपुर): पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय नवलपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने मुख्य द्वार की तालाबंदी कर कुलपति को विश्वविद्यालय में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मुख्य समस्याओं को लेकर रहा जिसमें विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एटीकेटी परीक्षा फीस 1600 से बढ़ाकर 2600 कर दी गई है उक्त शुल्क वृद्धि को शीघ्र वापस लिया जाए, विश्वविद्यालय बस स्टाफ द्वारा छात्र छात्राओं से अभद्रता की जाती है।

उक्त स्टॉफ को निर्देशित किया जाय की छात्र छात्राओं से सम्मान जनक

व्यवहार करे,विश्वविद्यालय में शीतल पेयजल हेतु वॉटर कूलर की व्यवस्था की जाए, विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में नई शिक्षा नीति की पुस्तके शीघ्र उपलब्ध कराई जाय। एवं वाईफाई कनेक्शन प्रारंभ किया जाय, विश्वविद्यालय की प्रायोगिक कक्षाए नियमित रूप से संचालित किया जाय, एग्रीकल्चर के प्रायोगिक फ़ील्ड का उचित बाउंड्रीवॉल बनवाई जाय एवं प्रायोगिक उपकरण उपलब्ध कराए जाय, शहडोल कैम्पस के संस्कृत एवं अन्य सभी विभागों में साफ सफाई पुताई का कार्य अति शीघ्र कराया जाय, विश्वविद्यालय में असामाजिक तत्वों का प्रवेश निषेध किया जाए।

तालाबंदी एवम ज्ञापन सौंपते समय विद्यार्थी परिषद के विभाग संगठन मंत्री सुरजीत सिंह बघेल, नगर विस्तारक रोहित रॉय, विश्वविद्यालय अध्यक्ष नवनीत शर्मा, विश्वविद्यालय मंत्री निधि पांडेय, जिला संयोजक सौरभ द्विवेदी , शिवम वर्मा, कादिर पठान, डॉक्टर सिंह मार्को, शौर्य सिंह बघेल, यश शर्मा, राजकुमार सिंह सेंगर, अखिलेश सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

आमंत्रित रचना - पारिवारिक विकास कैसे हो?

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: जीवन पथ पर बढ़ने के लिए जरूरी है झुकना। ठीक इसी प्रकार परिवार को जोड़े रखना है तो झुकना अर्थात नम्रता, करुणा, विनयशीलता, सहनशीलता समर्पणता जरूरी है। जिस तरह पहाड़ों पर चढ़ने के लिए लकड़ी या झुककर चलने की जरूरत होती है उसी तरह जीवन में विनय, समर्पण सद्भाव की जरूरत होती है जिससे जीवन सुखमय, शांति पूर्वक व तनाव रहित कट जाता है। वर्तमान युग में पारिवारिक ताने-बाने का बिखरना चिंता का विषय है। परिवार की ख़ुशी, सुख, चैन किस प्रकार बना रहे, परिवार की एकता-अखंडता बनी रहे इसपर हमको यथेष्ट सही से प्रकाश डालने का प्रयास करना चाहिए। परिवार तो वटवृक्ष है जिसकी हर डाली उस वृक्ष के अस्तित्व हेतु अपना महत्व रखती है। किसी डाली की अपेक्षा करने से सारा वृक्ष प्रभावित हो सकता है। सुखी एवं समृद्ध परिवार रूपी वटवृक्ष का संरक्षण और संवर्धन सामंजस्य से ही होगा। रिश्तों की अमुल्य धरोहर को जीवन में सम्भालना हैं। इसलिए बंधन रिश्तों का नही भीतर में एहसास का होता है तो सेतु को जोड़के रखता हैं। जब विकसित होती है आपस में पारिवारिक सदस्यों के बीच स्नेह, सम्मान ओर समर्पण की भावना, तब सहज ही उजागर हो जाती है पारस्परिक सौहार्द की संभावना। परिवार का सुख ही असली समृद्धि है। सुख, सौहार्द, स्नेह व सम्मान के अभाव में न रिद्धि है, न वृद्धि है। दूसरों की खुशी के लिए अपनी सुख सुविधा को कुर्बान कर परिवारिक शांति के लिए इस उपवन को समर्पण की सौरभ से भरना चाहिए। पारिवारिक जीवन की सफलता का एक सशक्त महान् सूत्र है सामंजस्य। स्नेह-प्यार का अचूक अमोघ महा मंत्र है सामंजस्य। इसके अभाव मे तो मुश्किल है चार कदम भी चलना मजबूत रिश्ते भी बिखर जाते हैं जब नहीं रहता है सामंजस्य। पारस्परिक सौहार्द हमारे जीने की कला और हर संगठन का प्राण है। इसी से प्राप्त होता है व्यक्तिगत जीवन में आनंद और संगठन को त्राण है। तेल और बाती दोनों के सही सामंजस्य से दीपक जलता है ठीक उसी तरह पारिवारिक जीवन में एक–दूसरे का आदर करने से जीवन चलता है। परिवार में जिसको झुकना आ गया उसका जीवन ही बदल गया। झुकने का दूसरा अर्थ है अपने अहंकार को समाप्त करना। झुकने का मतलब वादविवाद को तूल देने से बचना। झुकता वही है जिसमें ज्ञान होता हैं। झुकने का एक और अर्थ है कि जो झुकता है वो जीवन में सफलता पाता हैं। जैसे-एक बाल्टी कुँए में उतरती है और उसमें पानी तभी भरता है जब वो झुकती है। जब हम पहाड़ों पर या व्यापार में तभी शिखर पर पहुँचते हैं जब झुककर आगे बढ़ते हैं। एक झुका हुआ पेड़ कितने लोगों को ठंडी छाँव देता है, जैसे पीपल और बरगद। वंहि दूसरी और नारियल और खजूर के पेड़ लम्बे ज़रूर होते हैं पर वो छाँव किसी को नहीं देते।अकड़ने वाला जल्दी गिरता है और झुका हुआ पेड़ तेज हवाओं का झोंका भी सहन कर लेता है। और अंत में जंहा बिना बात के वाद विवाद होता है वंहा दोनो में से एक व्यक्ति विनम्र होकर झुक जाता है वहाँ रिश्ते ख़राब होने से बच जाते हैं। सकारात्मक सोच सरळ व आसान उपाय है।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

अब तुझपे किसने किया है सितम

अब तुझपे किसने किया है सितम।
आँसू हैं क्यों अब तेरी आँखों में।।
हम तो अलग तुमसे हो गये।
क्यों नहीं खुशी अब तेरी आँखों में।।
अब तुझपे किसने ----------।।

आई नहीं थी तुम्हें तो पसंद।
मोहब्बत हमारी, बस्ती हमारी।।
अब तो तुम हो राजा की रानी।
क्यों नहीं सुकून अब तेरी आँखों में।।
अब तुझपे किसने----------।।

कमत्तर तुम्हें तो लगती थी कल।
किस्मत हमारी, हस्ती हमारी।।
अब तो नहीं तुझको कोई कमी।
क्या शेष ख्वाब है अब तेरी आँखों में।।
अब तुझपे किसने----------।।

फैली है रोशनी तेरे हर तरफ।
महके हैं फूल तेरे बाग में।।
बहुत फिक्र है तेरी तेरे सनम को।
क्या गम है अब तेरी आँखों में।।
अब तुझपे किसने----------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

हम तो मुसाफिर निकले

मेरे अपने ही मेरे किरदार के
क़ातिल निकले,
रिश्ते खून के थे जिनसे,
बड़े शातिर निकले,
मुझको मेरी ज़मीन से बेदखल
करके छोड़ा,
भरोसा था जिनपे वो ही चालों में
महिर निकले,
हम खामोश हैं, इतजार करेंगे,
वक्त आएगा,
परवरिश के लम्हे याद है, हम तो
साबिर निकले,
बुरा वक्त है, गुज़र ही जायेगा,
ये भी आखिर,
मंज़िलों की तलाश में हम तो
मुसाफिर निकले,
मुल्ज़िम है हम मुजरिम तो अभी
नहीं, ठहरे,
तवील वक्त गुजारा, "मुश्ताक"
मुहाजिर निकले,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
"सहज़" हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

क्या जरूरी है - ज्ञान या डिग्री

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: हर बार की तरह आज भी लेखिका मुस्कान केशरी जी एक सच्ची घटना पर अपने लेख के माध्यम से अपने पाठकों को समझने का प्रयास कर रही है। जैसा की आप सभी को पता है अपने देश में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या बना हुआ है। रोज़गार के तलाश में लोग गाँव से शहर, शहर से विदेश जा रहे हैं क्योकि बिना पैसा के जिदंगी जीना बहुत मुश्किल कार्य है। यह लेख एक लड़की की है जो कम उम्र में ही पैसे कमाने के लिए घर से बाहर निकल गई थी और आज वो अपने पैर पर खड़ी है। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति खुद कर रही है लेकिन उसके पास कोई खास डिग्री नही है। अब यही से एक सवाल उठा था - कि बिना डिग्री के कौन जाँब देगा तुम्हें और इस समाज में तुम्हें इज्ज़त कौन देगा और क्यो? ना ही तुम्हारा उम्र बहुत हैं और ना ही डिग्री है और ना ही देखने में बहुत बड़ी लगती हो। ये समाज तुम्हें बच्ची बच्ची बोलकर दबा देगा और तुम कुछ भी नहीं कर पाओगी। इस बात पर जो लड़की थी वो बहुत रोई और बहुत कुछ सोची भी। अगले दिन उस लड़की का बात लेखिका मुस्कान केशरी जी से हुआ और उन्होने अपनी सारी बाते बताई। तब उस लड़की का सवाल था - मैम आप ही बताए क्या जरूरी है आज के समय में ज्ञान या डिग्री। लेखिका ने कहा - ज्ञान हो या डिग्री दोनो ही जरूरी है हर मायने में चाहे आप जो भी कार्य करते हो। आप सोचिए अगर आपके पास बहुत बड़े-बड़े डिग्री है लेकिन ज्ञान थोड़ा भी नहीं तो क्या जाँब मिल जाएगा या फिर आपके पास ज्ञान हो और डिग्री नही तो जाँब मिल जाएगा। ऐसा लेखिका उस लड़की को कहती है। लेखिका उन्हे बस यही समझाने का प्रयास करती है। जब आप किसी भी डिग्री के लिए अप्लाई करती है तो आपको उस डिग्री के लिए मेहनत करना होता है और बिना पढ़े, बिना ज्ञान के अगर आप परीक्षा देते हैं तो क्या आपको डिग्री मिल जाएगी। पास और फेल लोग ऐसे ही नहीं होते हैं। एक ही पुस्तक सभी पढ़ते है। कोई पास होता है तो कोई फेल। इसलिए ज्ञान और डिग्री की तुलना ना करे। अपने आप पर मेहनत करें और जो लक्ष्य हो आपका उसके लिए तैयारी करें।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

एम.एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा दो दिवसीय काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: मुजफ्फरपुर बिहार की साहित्यिक संस्था "एम एस केशरी पब्लिकेशन" जिसकी संस्थापिका मुस्कान केशरी जी हैं। पब्लिकेशन द्वारा एकल पुस्तकें और साझा संकलन पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं और हर माह दो दिवसीय काव्यगोष्ठी, जुगलबंदी, साक्षात्कार और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर के साहित्यकार सम्मिलित होते हैं और कार्यक्रम कों सफल बनाते हैं। 5 और 6 मई 2024 शाम 7 बजे काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमे मुख्य अतिथि मुजफ्फरपुर से श्री लोकनाथ मिश्र जी, राजस्थान से ऑक्टोपाइडर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक इंजी हिमांशु जी और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रीति केसरवानी जी, वीना आडवाणी जी और देवेद्र कुमार जी मंच पर उपस्थित रहें। मंच संचालन मुस्कान केशरी जी और सरस्वती वंदना आनन्द कुमार मित्तल और रश्मि जी के द्वारा किया गया। देशभर के आमंत्रित स्वर सीमा साह, अधिवक्ता निखिलेश मालवीय दुर्गई, रंजना कुमारी, ममता मदान, सागर सिंह भूरिया, विशाल जैन 'पवा', आचार्य मूलचंद निर्मल, रियाज खान, प्रियंका, सरोज लता सोनी, मनोज कुमार पुरोहित, आदित्य श्रीवास्तव,डा योगिता सिंह हंसा, रश्मि, रिषभ सागर, रियाज खान, भारत भूषण वर्मा असंध, डा शारदा प्रसाद दुबे, बलराम यादव देवरा, सुजाता शर्मा जी सम्मिलित हुए। इस बार की दो दिवसीय काव्यगोष्ठी मतदान पर रही, सभी साहित्यकार ने एक से बढ़कर एक रचना प्रस्तुत की। एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी जी सभी साहित्यकार का तहे दिल से धन्यवाद करती हैं।।

अटेंशन प्लीज! लोकसभा चुनाव 2024 के बाकी तीन चरणों के उम्मीदवारों, उम्मीदवारी खारिज़ हो सकती है

चुनाव आयोग का नया निर्देश, उम्मीदवारों द्वारा नो ड्यू सर्टिफिकेट जमा नहीं करने पर, उम्मीदवारी अस्वीकार की संभावना

चुनाव आयोग का स्पष्ट निर्देश, उम्मीदवारों ने सभी बकाया चुकाने के बाद भी, नो ड्यू सर्टिफिकेट नहीं जोड़ने पर जांच के दौरान उम्मीदवारी अस्वीकार हो सकती है, उम्मीदवार ध्यान दें-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 08 मई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े और विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत में जारी सबसे बड़े चुनावी महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के दो चरण हो चुके हैं तथा तीसरा चरण 7 मई 2024 को होगा व चौथ चरण के लिए दिनांक 13 मई 2024 को मतदान के लिए उम्मीदवारी फार्म जमा करने का अंतिम दिन आज 3 मई 2024 को हो गया। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 10 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 1717 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।देशभर में 96 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 4264 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं।इस बीच चुनाव आयोग को संज्ञान में आया कि कुछ उम्मीदवारों द्वारा अपने सभी सरकारी बकाया चुकता करने के बावजूद उन्हें नो ड्यू सर्टिफिकेट नहीं मिल सका और उन्होंने अपने उम्मीदवारी फॉर्म के साथ यह सर्टिफिकेट नहीं जोड़ा था तो उम्मीदवारी फार्म जांच के दौरान उनकी उम्मीदवारी को रद्द कर दिया गया, वे उम्मीदवारी से बाहर हो गए इसका संज्ञान आते ही चुनाव आयोग द्वारा आज दिनांक 3 मई 2024 को देर शाम बाकी बचे चार चरणों के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि उम्मीदवार को नो ड्यू सर्टिफिकेट के लिए आवेदन के 48 घंटे के भीतर उन्हें यह प्रमाणपत्र निर्गमित किया जाए और उम्मीदवार को अपने नामांकन पत्र के साथ यह सर्टिफिकेट अनिवार्य रूप से जोड़ना है, वह भी नामांकन के अंतिम दिन दोपहर 3 बजे तक, अन्यथा फॉर्म की जांच के समय उनकी उम्मीदवारी फॉर्म खारिज यानी अस्वीकार किया जा सकता है, जो उम्मीदवार के लिए रेखा अंकित करने वाली बात है,क्योंकि यह बात दिखने में छोटी है परंतु इसके सिवा उम्मीदवारी खारिज हो सकती है, इसलिए जैसे ही चुनाव आयोग का यह निर्देश मीडिया में आया तो हर मीडिया चैनल व प्लेटफार्म पर इस मुद्दे को लपक लिया गया और शाम से ही हवा की भांति पूरे निर्वाचन क्षेत्र में यह बात फैल गई। इसलिए मैंने भी आज इस करंट मुद्दे को आज केआर्टिकल के रूप में लपक लिया और लोकसभा चुनाव 2024 के बाकी तीन चरणों के उम्मीदवारों से विनती कर रहा हूं कि उम्मीदवार अटेंशन प्लीज उम्मीदवारी खारिज हो सकती है चूंकि आज 3 मई 2024 को चुनाव आयोग ने नए निर्देश तीन चरणों वाले प्रदेशों के सचिवों को जारी कर दिया है कि उम्मीदवार से आवेदन मिलने के 48 घंटे के भीतर नो ड्यू सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाए, इसलिए आज हममीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, चुनाव आयोग का स्पष्ट निर्देश सभी बकाया चुकाने के बाद भी नो ड्यू सर्टिफिकेट संलग्न नहीं करने पर जांच के दौरान उम्मीदवारी अस्वीकार हो सकती है उम्मीदवार ध्यान दें।

साथियों बात अगर हम चुनाव आयोग द्वारा दिनांक 3 मई 2024 को देर शाम सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को जारी पत्र की करें तो, ईसीआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को एक निर्देश जारी किया है। चुनाव आयोग के अनुसार सभी राज्य चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को समय से नो ड्यूज सर्टिफिकेट जारी करें। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में ईसीआई ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 33 A के अनुसार आवश्यक फॉर्म 26 में एक शपथ पत्र के साथ नामांकन पत्र दाखिल करने वाले उम्मीदवारों के महत्व पर जोर दिया। आयोग ने कहा कि कोई भी कॉलम न छूटे और फॉर्म पूरा हो, इसके अलावा चुनाव आयोग ने पिछले 10 वर्षों में सरकारी आवास में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए किराया, बिजली बिल, पानी बिल और टेलीफोन बिल सहित सरकारी बकाया की भी जानकारी देने को कहा है। वहीं नो ड्यूज सर्टिफिकेट पर चुनाव अधिसूचित होने वाले महीने से तीसरे महीने की आखिरी तारीख या उसके बाद की कोई तारीख नहीं होनी चाहिए। चुनाव आयोग ने बताया कि संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन करने की अंतिम तिथि पर दोपहर 3 बजे तक शपथ पत्र के साथ नो ड्यूज सर्टिफिकेट जमा किया जाना चाहिए। सभी बकाया चुकाने के बाद भी नो ड्यूज़ सर्टिफिकेट हासिल न करने पर जांच के दौरान उम्मीदवार की उम्मीदवारी अस्वीकार कर दी जा सकती है। चुनाव आयोग का निर्देश 2024 के मौजूदा लोकसभा चुनावों के दौरान हुए कुछ घटनाक्रम के बाद आया है,जहां उम्मीदवारों को सभी बकाया चुकाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों से नो ड्यूज सर्टिफिकेट प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। चुनाव आयोग ने चुनावी लोकतंत्र के सिद्धांतों को बनाए रखने और चुनावी प्रक्रिया में व्यवधानों से बचने के लिए इन प्रमाणपत्रों को समय पर जारी करने के महत्व पर जोर दिया, वहीं जिन उम्मीदवारों की शिकायत इस संबंध में आ रही है, ऐसे में उनसे निपटने के लिए एक व्यवस्था बनाई जाएगी, जिससे समय पर उम्मीदवारों को नो ड्यूज सर्टिफिकेट मिले। ईसीआई ने सुचारू चुनावी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए संबंधित विभागों अधिकारियों और एजेंसियों से इन निर्देशों का तत्काल पालन करने को कहा। चुनाव आयोग ने राज्य सरकारों को उम्मीदवारों को आवेदन करने के 48 घंटे के भीतर नो ड्यूज प्रमाणपत्र जारी करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के लिए भी सलाह जारी की और कहा कि संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन की वैधानिक अवधि के समाप्त होने के बाद नो-ड्यूज प्रमाणपत्र जमा करने से भी उम्मीदवार को कोई राहत नहीं मिलेगी। आयोग ने कहा कि सभी प्रकार के बकाया का भुगतान करने के बावजूद नो-ड्यूज प्रमाणपत्र जमा नहीं करने का असर नामांकन की जांच के दौरान प्रत्याशी की उम्मीदवारी पर पड़ता है। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के लिए भी सलाह जारी की और कहा कि संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन की वैधानिक अवधि के समाप्त होने के बाद नो-ड्यूज प्रमाणपत्र जमा करने से भी उम्मीदवार को कोई राहत नहीं मिलेगी। आयोग ने यह भी बताया कि संसदअथवा विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने के समय उम्मीदवार को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत हलफनामा भी जमा करना होता है और यह पूर्णत: भरा होना चाहिए। आगामी 13 मई को चौथे चरण के लिए मतदान होना है।

साथियों बात अगर हम चुनाव आयोग द्वारा दिनांक 2 मई 2024 को राजनीतिक दलों को जारी एक एडवाइजरी की करें तो, लोकसभा चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग ने एक एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने जारी अपनी एडवाइजरी में सख्त हिदायत दी है कि वो सर्वे के नाम पर मतदाताओं से चुनाव के बाद फायदे वाले स्कीम से जुड़ा रजिस्ट्रेशन कराना बंद करें। आयोग का मानना है कि ऐसे सर्वे से वोटिंग प्रभावित होती है। चुनाव आयोग ने कहा है कि इस तरह की गतिविधियों को गंभीरता से लिया गया है क्योंकि यह चुनाव कानून के तहत एक भ्रष्ट आचरण है। पार्टियां और उम्मीदवार सर्वे की आड़ में मतदाताओं का विवरण मांग रहे हैं। इसे तुरंत बंद कर देना चाहिए। आयोग ने कहा कि इसके जरिए मतदाताओं को रजिस्ट्रेशन के लिए आमंत्रित किया जाता है जो एक तरह से प्रलोभन है। ऐसे मामले में चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने सभी राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों को किसी भी विज्ञापन, सर्वेक्षण या मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से चुनाव के बाद लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं के लिए लोगों को पंजीकृत करने वाली किसी भी गतिविधि को तुरंत बंद करने और उससे दूर रहने के लिए एक सलाह जारी की। चुनाव आयोग की ओर से जारी एडवाइजरी में जिन गतिविधियों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया गया है उनमें ये गतिविधियां शामिल हैं-समाचार पत्रों में विज्ञापन के जरिए वोटर्स को मोबाइल पर मिस्ड कॉल देकर या टेलीफोन नंबर पर कॉल कर लाभ के लिए खुद को पंजीकृत करने के लिए कहना। गारंटी कार्डों के लिए पैम्फलेट द्वारा व्यक्तिगत लाभ चाहने वालों से उनका विवरण जैसे नाम, उम्र, पता, मोबाइल नंबर, बूथ संख्या, निर्वाचन क्षेत्र का नाम और संख्या आदि मांगना। मतदाताओं की जानकारी जैसे नाम, राशन कार्ड नंबर, पता, फोन नंबर, बूथ नंबर, बैंक खाता नंबर, मांगने वाले फॉर्म का वितरण कराना।वेब प्लेटफॉर्म या वेबमोबाइल एप्लिकेशन का प्रचार या प्रसार का इस्तेमाल राजनीतिक दलों/उम्मीदवारों द्वारा करना और इसके जरिए मतदाताओं का विवरण जैसे नाम, पता, फोन नंबर, बूथ नंबर, निर्वाचन क्षेत्र का नाम और नंबर आदि मांगा जाना। लोगों से उन्हें मिल रही लाभकारी योजनाओं के साथ-साथ नाम, पति/पिता का नाम, संपर्क नंबर, पता आदि के बारे में जानकारी जुटाना।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अटेंशन प्लीज! लोकसभा चुनाव 2024 के बाकी तीन चरणों के उम्मीदवारों उम्मीदवारी खारिज़ हो सकती है। चुनाव आयोग का नया निर्देश, उम्मीदवारों द्वारा नो ड्यू सर्टिफिकेट जमा नहीं करने पर, उम्मीदवारी अस्वीकार की संभावना। चुनाव आयोग का स्पष्ट निर्देश, उम्मीदवारों ने सभीबकाया चुकाने के बाद भी, नो ड्यू सर्टिफिकेट नहीं जोड़ने पर जांच के दौरान उम्मीदवारी अस्वीकार हो सकती है, उम्मीदवार ध्यान दें।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिक्षा विद और समाज सुधारक: गोपाल कृष्ण गोखले

कोलफील्ड मिरर 08 मई 2024: गोपाल कृष्ण गोखले एक महान समाज सुधारक और शिक्षाविद् थे। जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया। गोपाल कृष्ण गोखले जी का जन्म 9 मई, 1866 को वर्तमान महाराष्ट्र के कोटलुक गाँव में हुआ था। श्री गोखले ने सामाजिक सशक्तीकरण, शिक्षा के विस्तार और तीन दशकों तक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की दिशा में कार्य किया तथा प्रतिक्रियावादी या क्रांतिकारी तरीकों के इस्तेमाल को खारिज किया। ये महात्मा गांधी से लगभग ढाई साल बड़े थे। गांधी जी ने अपनी क़िताब 'स्वराज' में लिखा है- 'एक बार मैंने उन्हें घोड़ा-गाड़ी के बजाय ट्रेन (कलकत्ता में चलने वाली छोटी ट्रेन) से सफ़र करने की सलाह दी। वे आगे लिखते हैं - 'गोखले दुखी हो गए और कहा, क्या तुम भी मुझे नहीं पहचान पाए? मैं जो भी कमाता हूं सब अपने आप पर नहीं खर्च करता। घोड़ा-गाड़ी से इसलिए चलता हूं कि कई लोग मुझे जानते हैं और अगर मैं ट्रेन में सफ़र करूं तो मेरे साथ अन्य यात्रियों को काफी दिक्कतें होंगी। जब तुम्हें काफी लोग जानने लग जायेंगे तब इसका अहसास होगा' और ऐसा हुआ भी।

आज जब 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फ़ॉर इंडिया' के बीच बहस जारी है, हम बात जान लें कि गोखले पहले व्यक्ति थे जिन्होंने 'स्वदेशी' विचार पर ज़ोर दिया। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति और इतिहासकार प्रोफेसर केएल कमल कहते हैं, 'उन्होंने स्वदेशी को प्रोत्साहन देते हुए बताया कि यह देशभक्ति के साथ-साथ एक आर्थिक आंदोलन भी है. प्रोफेसर कमल उन्हें उदारवादियों का सिरमौर और भारत के संवैधानिक विकास का जनक मानते हैं। वे कहते हैं कि उन्होंने कोई नया सिद्धांत नहीं दिया बल्कि भारतीय परिवेश में पाश्चात्य राजनैतिक परंपरा के विलय की बात कही थी। गोपाल कृष्ण गोखले जी महात्मा गांधी के राजनैतिक गुरु, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के मार्ग दर्शकों में से एक, सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी के संस्थापक होने के साथ-साथ गोपाल कृष्ण गोखले भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के मार्गदर्शकों में से एक थे। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। गांधीजी उन्हें अपना राजनैतिक गुरु मानते थे। गोखले राजनैतिक नेता होने के आलावा एक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने एक संस्था "सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी" की स्थापना की, जो

आम लोगों के हितों के लिए समर्पित थी। देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में गोपाल कृष्ण गोखले का योगदान अमूल्य है।

गोपाल कृष्ण गोखले जी के पिता कृष्ण राव एक किसान थे पर चूँकि क्षेत्र की मिट्टी कृषि के लिए अनुकूल नहीं थी, इस कारण क्लर्क का काम करने पर मजबूर हो गए। उनकी माता वालूबाई एक साधारण महिला थीं। गोखले ने अपने बड़े भाई द्वारा आर्थिक सहायता से कोथापुर के राजाराम हाई स्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। बाद में वह मुंबई चले गए और 1884 में अट्ठारह वर्ष की उम्र में मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। गोपाल कृष्ण उस समय के किसी भी भारतीय द्वारा पहली बार कॉलेज की शिक्षा प्राप्त करने वाले चंद लोगों में से एक थे। उन्हें नवोदित भारतीय बौद्धिक समुदाय और पूरे भारत वर्ष में व्यापक रूप से सम्मानित किया गया।

गोखले शिक्षा के महत्त्व को भली-भांति समझते थे। उनको अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान था। जिसके कारण वो बिना किसी हिचकिचाहट और अत्यंत स्पष्टता के साथ अपने आप को अभिव्यक्त कर पाते थे। इतिहास के ज्ञान और उसकी समझ ने उन्हें स्वतंत्रता,स्नातक की पढाई के बाद वह अध्यापन की ओर बढ़े और पुणे के न्यू इंग्लिश स्कूल में सहायक शिक्षक का कार्य करने लगे। वर्ष 1885 में गोखले पुणे चले गए और डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के अपने सहयोगियों के साथ फर्ग्यूसन कॉलेज के संस्थापक सदस्यों में शामिल हुए।

गोपाल कृष्ण गोखले ने फर्ग्युसन कॉलेज को अपने जीवन के करीब दो दशक दिए और कॉलेज के प्रधानाचार्य बने। इस दौरान वो महादेव गोविन्द रानाडे के संपर्क में आये। रानाडे एक न्यायाधीश, विद्वान् और समाज सुधारक थे जिन्हे गोखले ने अपना गुरु बना लिया। गोखले ने पूना सार्वजनिक सभा में रानाडे के साथ काम किया और उसके सचिव बन गए। गोपाल कृष्ण गोखले ने 1886 में बीस साल की उम्र में सामाजिक जीवन में प्रवेश किया। उन्होंने "ब्रिटिश शासन के अधीन भारत" पर एक सार्वजनिक भाषण दिया जिसकी बहुत सराहना हुई थी।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"